दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

वर्ष : 12 | अंक : 14 | लखनऊ, 05 जनवरी, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

दिल्ली में कई फ्लाइट्स लेट, 8 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। कोहरे का असर रविवार को भी उड़ानों पर देखने को मिला। रविवार को नई दिल्ली से विभिन्न घरेलू व अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जाने वाली करीब दो तिहाई उड़ानें विलंबित रहीं। विलंबित उड़ानों में औसत विलंब करीब आधा घंटा रहा। हालांकि यह संख्या पिछले मुकाबले काफी कम रहीं। 8 उड़ानों को रद्द किया गया। इनमें से 5 एलाइंस एयर की है।

धोखाधड़ी में वृद्ध से 7.12 करोड़ की ठगी

हैदराबाद। हैदराबाद में मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी करने वाले जालसाजों ने 81 वर्षीय एक व्यक्ति को मादक पदार्थ तस्करी रैकेट में शामिल होने की धमकी देकर 'सत्यापन' के बहाने उससे 7.12 करोड़ रुपए ठग लिए। साइबर ठगों ने पीड़ित को फोन किया और खुद को एक कूरियर कंपनी का प्रतिनिधि बताया।

सड़क हादसे में गई जान 36 लाख मुआवजा दें

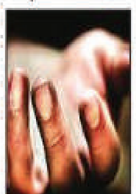

ठाणे। ठाणे के मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम को सड़क हादसे में मारे गए एक शख्स के परिवार को 36.31 लाख का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। एमएसआरटीसी की बस और बाइक की आमने-सामने की टक्कर के बाद शख्स की मौत हो गई थी। न्यायाधिकरण ने इसके लिए बस चालक को जिम्मेदार माना।

अवैध खदान में चट्टान गिरी, 2 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में पत्थर की एक अवैध खदान में चट्टान गिरने से कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। यह घटना शनिवार शाम मोटांगा थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के पास स्थित खदान में उस समय की है जब कुछ मजदूर पत्थरों की खुदाई और उन्हें निकालने का काम कर रहे थे। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

टीवी कलाकार जय दुधाने धोखाधड़ी में गिरफ्तार

ठाणे। रियल्टी टीवी शो से पहचान बनाने वाले जय दुधाने को कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी में मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। दुधाने की गिरफ्तारी एक सेवानिवृत्त इंजीनियर की प्राथमिकी के बाद हुई है। आरोप लगा था कि दुधाने और उनके परिवार ने शिकायतकर्ता को ठाणे में 5 व्यावसायिक दुकानें खरीदने का झांसा देकर उनसे 4.61 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।

काशी में वॉलीबॉल महाकुंभ का पीएम मोदी ने किया शुभारंभ

जीत हमारे अकेले की नहीं होती, सशक्त टीम से ही सभी चख सकेंगे जीत का स्वाद

नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव से की शुरुआत

सीएम योगी की मौजूदगी में वर्चुअल रूप से जुड़े प्रधानमंत्री

बनारस के जानल चाहत हउआ त बनारस आवे के ...

पीएम मोदी ने कहावत के माध्यम से लोगों के साथ ही खिलाड़ियों को सीख भी दे दी

वर्चुअली नेताओं और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

यहां के सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया। दोपहर 12 बजे आयोजन में जब पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअल रूप से जुड़े तो पूरा स्टेडियम हर-हर महादेव के नारे से गूंज उठा। वहीं, पीएम मोदी ने नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयघोष के साथ स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ियों, उनके कोच और कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने वॉलीबॉल खिलाड़ियों से कहा कि एक कहावत है कि बनारस के जानल चाहत हउआ त बनारस आवे के पड़ी... अब आप सभी बनारस आ गए हैं तो यहां की संस्कृति को भी समझ जाएंगे। आप सभी को यहां उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक मिलेंगे। वॉलीबॉल हमें टीम फर्स्ट का संदेश देती है, सभी प्लेयर्स अपनी टीम के लिए खेलते हैं। यह खेल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत हमारे अकेले की नहीं होती है। टीम की जीत से सभी जीतते हैं। हमारे देश में भी (इंडिया फर्स्ट) की भावना है। सुबह 11 बजे तक सिगरा स्टेडियम में वॉलीबाल खिलाड़ियों के साथ भाजपा नेता और कार्यकर्ता जुट गए थे।

देशभर के खिलाड़ी जुटे

सीएम योगी के आगमन और वर्चुअल रूप से पीएम मोदी को देखने के लिए आतुर भाजपा कार्यकर्ता मोदी-योगी जल्दी आवा व हर हर महादेव के नारे लगा रहे थे। योगी जब सिगरा स्टेडियम पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। काशी में पहली बार इस तरह के वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में देश भर से 58 टीमें भाग ले रही हैं। आयोजन के लिए स्टेडियम को रंग-बिरंगे फ्लैग, चैंपियनशिप के बैनर व होर्डिंग से सजाया गया था।

पहले खेला जाता था भ्रष्टाचार का खेल

योगी ने कहा कि देश के खिलाड़ी जब एशियन गेम्स व कॉमन वेल्थ गेम्स में प्रतिभाग करने जाते हैं तो प्रधानमंत्री उनसे बात करते हैं। इसके पहले तो भ्रष्टाचार का खेल भी खेला जाता था।

भाजपा कार्यकर्ता भी जुटे

योगी का मंच पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और महापौर अशोक तिवारी ने अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इसके बाद वंदे मातरम... गीत गया गया। योगी के साथ विधायक रवींद्र जायसवाल, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. नीलकंठ तिवारी, हंसराज विश्वकर्मा भी थे।

'राष्ट्रमंडल सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे पीएम

प्रधानमंत्री 15 जनवरी को राष्ट्रमंडल देशों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन कर सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 14 से 17 जनवरी तक संविधान सदन के 'सेंट्रल हॉल' में राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 4 दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। सम्मेलन का मुख्य ध्यानाकर्षण संसदों के कामकाज में एआई और सोशल मीडिया के उपयोग पर रहेगा। सम्मेलन के दौरान 'संसद में एआईः नवाचार, निगरानी और अनुकूलन में संतुलन', 'सोशल मीडिया और सांसदों पर इसका प्रभाव' तथा 'संसद सदस्यों और संसदीय कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण' पर सत्र होंगे।

कांग्रेस ने 5 राज्यों के लिए चयन समिति बनाई

प्रियंका को असम की तो हरिप्रसाद को मिली बंगाल की जिम्मेदारी

वेणुगोपाल ने की चयन समितियों की घोषणा

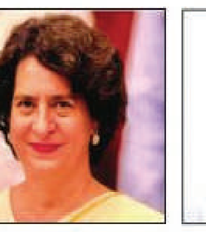

प्रियंका गांधी और हरिप्रसाद

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए प्रत्याशी चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार रात उन 5 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए चयन समितियों की घोषणा की, जहां इस साल के पहले 6 महीनों में चुनाव होने वाले हैं। पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चार सदस्यीय समितियां बनाई गई हैं।

इनका मुख्य कार्य चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देना होगा। प्रियंका गांधी वाड्रा असम समिति का नेतृत्व करेंगी। कांग्रेस भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास कर रही है। उनके साथ लोकसभा सांसद इमरान मसूद, सप्तगिरी शंकर उलाका और सिरिवेल्ला प्रसाद को असम समिति का सदस्य बनाया गया है।

मधुसूदन होंगे बंगाल चयन समिति के प्रमुख

अन्य राज्यों की बात करें तो वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री केरल के लिए चयन समिति के प्रमुख होंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए समिति की अध्यक्षता करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद को चयन समिति का प्रमुख बनाया गया है। संबंधित राज्यों के प्रभारी महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता भी अपने-अपने राज्यों की समितियों के पदेन सदस्य बनाए गए हैं।

मार्च-अप्रैल में असम में चुनाव संभावित

असम की 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। पिछले महीने कांग्रेस ने वाम दलों और कई क्षेत्रीय पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार किया था। वर्तमान में असम विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा के पास 64 सीटें हैं, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के पास 26 विधायक हैं। बाकी बची अन्य सीटें स्थानीय पार्टियों के पास है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

संघ प्रमुख वृंदावन में विस्तार और घटनाओं पर करेंगे मंथन

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

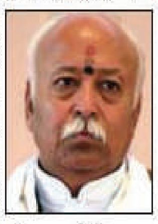

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए रविवार सुबह भोपाल से रेल मार्ग द्वारा वृंदावन स्थित केशवधाम पहुंचे। वे 7 दिन के प्रवास पर रहेंगे। भारत माता के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ संघ प्रमुख की अध्यक्षता में बैठक की शुरुआत हुई। बैठक के पहले दिन 4 सत्र आयोजित होंगे। केंद्रीय कार्यकारिणी के 38 पदाधिकारी संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संघ का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को संगठन से जोड़ने के तरीकों पर विचार किया जाएगा। पलायन की समस्या, सामाजिक समरसता, पड़ोसी देशों में हो रही हलचल और हिंसक घटनाओं जैसे विषयों पर भी मंथन होगा।

एम्स की 'आश्रय' पहल

संवेदनशील, गरिमापूर्ण स्वास्थ्य सेवा यहां सुनिश्चित की जा रही

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने रोगी देखभाल को नई दिशा देते हुए एक ऐसी पहल शुरू की है, जो अस्पताल की चारदीवारी से बाहर भी संवेदनशील और गरिमापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करती है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सहयोग से शुरू की गई 'आश्रय' सुविधा उन मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए राहत बनकर उभरी है, जिन्हें ओपीडी सेवाओं के लिए अक्सर रातभर अस्पताल के बाहर इंतजार करना पड़ता था। एक एम्स में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज दूर-दराज से पहुंचते हैं। ऐसे में पंजीकरण से पहले कतारें और इंतजार चुनौती रही है। इसी के समाधान के तौर पर 'आश्रय' सुविधा को विकसित किया गया है, अब रात के समय एम्स पहुंचने वाले मरीजों की पहचान की जाती है और उन्हें पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक शटल बसों के माध्यम से 'आश्रय' केंद्र तक ले जाया जाता है।

500 दोपहिया वाहन हो गए खाक

त्रिशूर रेलवे स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र में आग

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में रेलवे स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र में रविवार को आग लग जाने से लगभग 500 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। अग्निशमन एवं बचाव सेवा के अधिकारी ने बताया कि पार्किंग क्षेत्र में सुबह 6.20 बजे आग लगी और इस संबंध में अग्निशमन विभाग को 6.40 बजे जानकारी मिली। सुबह करीब 7.45 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

सीबीएसई देश के बड़े संस्थानों में एक्सपोजर दौरा कराएगा

22 से 30 जनवरी तक प्राचार्य सीखेंगे कौशल विकास

नई शिक्षा नीति के तहत कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्यों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में कौशल, अनुभव आधारित शिक्षा और उभरते शैक्षणिक ट्रेंड्स से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इसके लिए सीबीएसई देश के चुनिंदा संस्थानों में प्राचार्यों का एक्सपोजर दौरा कराएगा। यह दौरा 22 जनवरी से 30 जनवरी तक आयोजित है। इसमें भाग लेने के लिए प्राचार्यों को पंजीकरण कराना होगा। सीबीएसई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अपने संबद्ध स्कूलों में कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दे रहा है। बोर्ड ने 2 वर्ष पहले प्राचार्यों के लिए एक्सपोजर विजिट योजना शुरू की थी, जिसके तहत देश के नामचीन संस्थानों का चयन किया जाता है।

देश के 5 संस्थानों का किया चयन

मुंबई, पंजाब, असम, झारखंड और बंगाल बनाए गए केंद्र

सीबीएसई

चयनित संस्थानों में मुंबई की एटलस स्किल टेक यूनिवर्सिटी, पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, असम स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, झारखंड का बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और पश्चिम बंगाल स्थित फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट शामिल हैं।

एक्सपोजर विजिट और कौशल शिक्षा पर फोकस

इन एक्सपोजर विजिट्स का उद्देश्य स्कूल प्राचार्यों को बेस्ट प्रैक्टिस से सीधे तौर पर परिचित कराना, कौशल और वोकेशनल शिक्षा को मुख्यधारा की पढ़ाई से जोड़ने में मदद करना तथा इंटरैक्टिव और शिक्षण पद्धतियों की समझ विकसित करना है।

कौशल बोध सीरीज प्रिंट कर सकेंगे डाउनलोड

कौशल शिक्षा के लिए सीबीएसई की पाठ्यपुस्तकें प्रिंट रूप में उपलब्ध हैं। इन्हें एनसीईआरटी की वेबसाइट के साथ-साथ सीबीएसई की एकेडमिक वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। मालूम हो कि सीबीएसई की ओर से पहले स्पष्ट किया जा चुका है कि कौशल शिक्षा लागू करने के बाद स्कूल को साल के अंत में कौशल मेला आयोजित करना चाहिए।

बंगाल के बाद अब शाह पहुंचे तमिलनाडु

रणनीति और एजेंडा तय करेंगे यहां विवादों को भी निपटाएंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

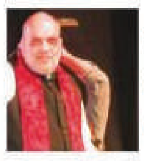

शाह पोंगल उत्सव में भी भाग लेंगे

पश्चिम बंगाल में संगठनात्मक एकता को बढ़ावा देने और भाजपा का एजेंडा तय करने के बाद गृह मंत्री अमित शाह एक अन्य चुनावी राज्य तमिलनाडु में होंगे। शाह रविवार से दो दिनों के लिए चुनाव वाले इस राज्य में पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देंगे।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके की सहयोगी पार्टी होने के बावजूद, उन्हें कई मुद्दों का सामना कर रहे गठबंधन को दिशा देने में अहम भूमिका निभानी होगी। शाह के कार्यक्रम में पुदुक्कोट्टई में राज्यव्यापी यात्रा के समापन समारोह में शामिल होना शामिल है। इस यात्रा का नेतृत्व भाजपा तमिलनाडु के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने किया था। इसमें तमिल गौरव को बढ़ावा दिया गया था ताकि सत्तारूढ़ डीएमके गठबंधन द्वारा भाजपा को राज्य के मूल्यों के विरुद्ध संगठन के रूप में पेश करने का खंडन किया जा सके। इसके अलावा, वे भाजपा के प्रमुख नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करेंगे और पोंगल उत्सव में भी भाग लेंगे।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने निभाया सिख समाज से किया वादा

गुरु नानक द्वार निर्माण, करतारपुर साहिब दर्शन यात्रा, अब आशियाना बनेगा में विरासत-ए-खालसा संग्रहालय

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने रविवार को गुरु तेग बहादुर सिंह के 350वें शहीदी दिवस कार्यक्रम में सहभागिता की। आशियाना गुरुद्वारे में आयोजित शहीदी दिवस एवं नगर कीर्तन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत प्रचारक कौशल जी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक ने नवम सिख गुरु को एक महान एवं निर्भीक योद्धा बताते हुए उनके अद्वितीय साहस, त्याग और मानवता-प्रधान आदर्शों को नमन किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का अमर बलिदान किसी एक पंथ तक सीमित नहीं था, बल्कि समूची मानवता की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था। उनका उदय ऐसे समय पर हुआ जब विचारों पर भी पहला था, औरंगजेब ने धर्म - आस्था पर पहरा लगाया था। उन्होंने अपने शीश का बलिदान देकर इतिहास में अंतःकरण की स्वतंत्रता का वह अधिकार अंकित किया, जिसे आज भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सुनिश्चित करता है। यह बलिदान धर्म, न्याय और राष्ट्रबोध की सर्वोच्च मिसाल है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरोजनीनगर से ह्यअमृतसरझ्रकरतारपुर साहिब दर्शन यात्राह्ल का सफल संचालन कर 41 सिख श्रद्धालुओं को गुरु नानक देव जी की पावन भूमि के दर्शन कराए जा चुके हैं। साथ ही, विधायक निधि के माध्यम से आशियाना क्षेत्र में भव्य गुरु नानक द्वार का निर्माण कर सिख समाज की आस्था और विरासत के प्रति सम्मान को सशक्त रूप दिया गया है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने भविष्यदृष्टि साझा करते हुए कहा कि सभी सिख गुरुओं के अमर बलिदान, त्याग, सेवा और मानवता-केंद्रित आदर्शों से भावी पीढ़ी प्रेरणा ले, इसी उद्देश्य से सरोजनीनगर में भव्य, ऐतिहासिक, अद्वितीय ह्यविरासत-ए-खालसाह्ल की स्थापना हेतु वे संकल्पित हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेंगे। यह पहल सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का सशक्त प्रतीक बनेगी। इस अवसर पर पूर्व महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, निर्मल सिंह (अध्यक्ष, केन्द्रीय सिख सभा गुरुद्वारा आलमबाग), जसपाल सिंह वोरा (अध्यक्ष, आशियाना गुरुद्वारा), सुरेंद्र पाल सिंह बक्शी (उप्र गुरुद्वारा सिख मैनेजमेंट कमेटी), सरबजीत सिंह, रतपाल सिंह गोल्डी, मनजीत सिंह तलवार, प्रशांत भाटिया, टी.पी.एस. अनेजा, अनिल विरमानी, परविंदर सिंह, जे.एस. चड्ढा, सुनील कालरा, पार्षद कौशलेन्द्र द्विवेदी, कमलेश सिंह, विमल तिवारी आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में स्कूल जाने के लिए निकली कक्षा 9 की छात्रा लापता

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र से शनिवार को स्कूल जाने के लिए निकली कक्षा 9 की 13 वषीर्या छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने बंथरा थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थाना क्षेत्र में रहने वाले पीड़ित के मुताबिक उसकी बेटी सरोजनी नगर स्थित एक बालिका इंटर कॉलेज मेंकक्षा 9 की छात्रा है। वह शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से बिना स्कूल यूनिफार्म के बैग लेकर पढ़ने के लिए गई थी। लेकिन शाम 4 बजे तक वापस नहीं लौटी। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद उसने अपनी बेटी के फोन पर कॉल की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो सकी। कई बार कॉल करने के बाद जब फोन नहीं रिसीव हुआ तो उन्होंने उसकी काफी तलाश की। लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद पीड़ित ने इसकी सूचना बंथरा पुलिस को दी। फिलहाल बंथरा पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामले की रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के सहारे छात्रा का सुराग लगा रही है।

15 वर्षीय किशोर लापता, पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर तलाश में जुटी

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज, लखनऊ। कोतवाली गोसाईगंज क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर गढ़ी निवासी राजेश पुत्र माता प्रसाद का 15 वर्षीय पुत्र रजनीश बीते 2 जनवरी 2026 को सुबह करीब 9 बजे घर से बिना बताए कहीं चला गया। परिजनों द्वारा अपने स्तर से सभी रिश्तेदारों व परिचितों के यहां काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद 3 जनवरी 2026 को परिजनों ने कोतवाली गोसाईगंज में रजनीश की गुमशुदगी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। लापता किशोर का रंग सांवला, चेहरा लंबा, लंबाई लगभग 5 फुट है। वह काले रंग की जैकेट व काली पैंट पहने हुए था तथा पैरों में सफेद रंग के जूते थे। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर किशोर की तलाश शुरू कर दी है और आमजन से अपील की है कि यदि किसी को रजनीश के संबंध में कोई जानकारी मिले तो कोतवाली गोसाईगंज, लखनऊ को सूचित करें

योद्धा सम्मान समारोह आयोजित किया गया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। योद्धा सम्मान से सम्मानित लोकबंधु नर्सिंग ऑफिसर योगाचार्य पंडित नवीन सहकारिता भवन मे आयोजित वरिष्ठ जनो के सम्मान मे ऱयोद्धा सम्मान समारोहऱ आयोजित किया गया जिसमें लोकबंधु नर्सिंग ऑफिसर और मिस्टर लखनऊ योगाचार्य पं नवीन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे जिसमें योगाचार्य पं नवीन के टीम के बच्चे शैलेद्री अवस्थी, भास्विका शुक्ला, पूजा पाठक, खुशनुमा परवीन, रिचा सिंह, तान्या रावत) ने योग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी दर्शकों मे उत्साह का संचार कर सभी का दिल जीत लिया योगाचार्य नवीन ने अपने सम्बोधन मे बताया की योग न सिर्फ हमारे शरीर के लिए आवश्यक है जबकि यह चरित्र निर्माण और आत्मनकल्याण का साधन भी है ह्ल कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई। कार्यक्रम मे विशिष्ठ अतिथि रामगोपाल काका जो मिशन मोदी अगेन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा कार्यक्रम की आयोजक पुनीता भटनागर थी। कार्यक्रम मे मंच संचालन की भूमिका मे विनीता जोहरी जी ने निभाई। कार्यक्रम की व्यवस्थापक योगमित्र कुसुम पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

हुनर सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना समाज के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य : राजेश सिंह

10 प्रतिभागियों को सिलाई मशीन प्रदान कर किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर की देवलोक कॉलोनी स्थित सहयोग सदन में रविवार को सहयोग परिवार का 24वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह ने कहा कि लोगों को हुनर सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना समाज के लिए अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल किताबी शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक हुनर व्यक्ति को आत्मविश्वास के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग दिखाता है। कार्यक्रम में सहयोग परिवार के संस्थापक सदस्य एवं ब्लॉक प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि सहयोग परिवार पिछले 24 वर्षों से सामाजिक सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग को हुनर के माध्यम से सशक्त बनाना है। बंथरा नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत ने कहा कि सहयोग परिवार का प्रयास समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। पार्षद प्रतिनिधि लवकुश रावत ने कहा कि हुनर आधारित कार्य ही समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता भुवनेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि सहयोग परिवार का सेवा भाव संगठन की मजबूत सोच और समर्पण को दशार्ता है। भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ के संयोजक ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि सहयोग परिवार द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम समाज को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बिजनौर प्रधान प्रतिनिधि सोनू माली ने कहा कि ग्रामीण और शहरी युवाओं को हुनर प्रदान करना संस्था की बड़ी उपलब्धि है। सभासद आशीष गौतम ने कहा कि सहयोग परिवार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी मंच बन चुका है। प्रेस क्लब सरोजनीनगर के महामंत्री राकेश यादव ने कहा कि सहयोग परिवार के कार्य समाज को नई दिशा और आशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में प्रेस क्लब सरोजनीनगर के संगठन मंत्री मुकेश रावत, मीडिया प्रभारी पवन तिवारी, कोषाध्यक्ष असिफ खान, पूर्व सचिव राम बाबू सोनी, अनवर कुरैशी, इदरीश खान, रेहान खान, अखिलेश दुबे सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर सहयोग परिवार द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना व्यवसाय शुरू करने वाली पूजा रावत, मोहिनी, रूचि कुमारी, रजनी पाण्डेय, रितू, सपना रावत और हर्षिता रावत सहित कुल 10 प्रतिभागियों को सिलाई मशीन प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को कंबल भी वितरित किए गए।

किरण फाउंडेशन ने वंटर ड्राइव अभियान के तहत जरूरतमंद परिवारों को बांटे कंबल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। किरण फाउंडेशन द्वारा समाज सेवा के अपने निरंतर संकल्प को निभाते हुए इस वर्ष भी ह्लविंटर ड्राइवह्ल अभियान की शुरूआत की गई। संस्था विगत सात वर्षों से प्रत्येक वर्ष शीतकाल के दौरान जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों की सहायता के लिए इस अभियान का आयोजन करती आ रही है। इसी क्रम में शनिवार को लखनऊ जनपद के ग्राम गिंदन खेड़ा, अमौसी, सरोजनी नगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 जरूरतमंद परिवारों को कंबलों का वितरण किया गया। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर रणंजय चौहान, संजय सिंह एवं आदित्य चौहान का विशेष सहयोग एवं सहभागिता रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। किरण फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था भविष्य में भी समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों के कल्याण हेतु इसी प्रकार के सेवा कार्य निरंतर करती रहेगी।

सटीक निशाने से स्नाइपर ने भेदा दुश्मन का ठिकाना, लखनऊ में किया कौशल का प्रर्दशन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ : एक तय दूरी से सटिक निशाना लगाकर दुश्मन को टारगेट बनाने वाले सेना के नामी स्नाइपरों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। मध्य कमान की गोल्डन डिवीजन की ओर से मध्य कमान की अंतर बटालियन स्नाइपर प्रतियोगिता- 2025 में सेना के नामी स्नाइपरों ने हिस्सा लिया। पांच दिन तक चली प्रतियोगिता में पैदल सेना के निशानेबाजों ने कौशल, दृढ़ता और युद्धक्षेत्र में धैर्य की कड़ी परीक्षा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगियों ने वास्तविक सामरिक वातावरण में अभ्यास किया और छलावरण, दूरी का अनुमान, हवा की दिशा का पूवार्नुमान और पहले ही शाट में सटीक निशाना लगाने की क्षमता को निखारा। बिना किसी को दिखे हुए लक्ष्य को भेदने में महारत जांबाजों ने अपने प्रदर्शन में कड़े अभ्यास को दशार्या। प्रत्येक सत्र ने आधुनिक युद्ध की बदलती मांगों को दशार्ते हुए अनुकूलन क्षमता, लचीलापन और मिशन पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को सुदृढ़ किया।

यूपी में पर्यटकों के लिए खुलने जा रहा है विधान भवन, सतीश महाना ने विभाग को लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ घूमने आने वाले पर्यटकों को जल्द ही विधान भवन को भी नजदीक से देखने और उसके ऐतिहासिक महत्व को समझने का अवसर मिल सकता है। पर्यटन की दृष्टि से लखनऊ के प्रमुख दर्शनीय स्थलों की सूची में विधान भवन को जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है। पर्यटकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और यूपी विधान सभा सचिवालय ने विधान भवन के भ्रमण को लेकर प्रारंभिक तैयारियां कर ली हैं। उद्देश्य यह है कि आने वाले सैलानी विधान सभा की भव्य वास्तुकला, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और लोकतांत्रिक परंपराओं से रूबरू हो सकें। इस पहल को लेकर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने हाल ही में पर्यटन विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। पत्र में विधान भवन को सुनियोजित तरीके से पर्यटकों के लिए खोले जाने, सुरक्षा व्यवस्था, गाइडेड टूर और भ्रमण की समय-सारिणी जैसे बिंदुओं पर विचार करने को कहा गया है। यदि यह योजना मूर्त रूप लेती है तो विधानसभा भवन का भ्रमण सीमित समय और निर्धारित नियमों के तहत कराया जाएगा, ताकि सुरक्षा और सदन की कार्यवाही प्रभावित न हो। इससे न सिर्फ लखनऊ के पर्यटन को नई पहचान मिलेगी, बल्कि युवाओं और आम लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझने का अवसर भी मिलेगा।

हिन्दू जागरण सम्मेलन की समीक्षा बैठक की गई आयोजित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। हिन्दू जागरण सम्मेलन की समीक्षा बैठक अम्बेडकर नगर (गोमती नगर फेसझ्र2) स्थित विनम्र खण्ड में आयोजित की गई। बैठक पूरब भाग कार्यवाहक ज्योति प्रकाश की अध्यक्षता में प्रखर निगम के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए ज्योति प्रकाश ने बताया कि नगर की सभी बस्तियों में हिन्दू जागरण सम्मेलन आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है तथा प्रत्येक बस्ती के अनुसार तिथियाँ भी निर्धारित कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी 2026 को कार्यक्रम करने का अंतिम दिन है। इसके पूर्व सभी बस्तियों में कार्यक्रम किये जायेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम केवल किसी एक संगठन का नहीं बल्कि सम्पूर्ण हिन्दू समाज का कार्यक्रम है। सम्मेलन में विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों एवं समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। बस्ती में निवास करने वाला प्रत्येक हिन्दू इस कार्यक्रम में सहभागी बने यही सभी स्वयंसेवकों का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। बैठक में नगर संघचालक जगबीर सिंह, नगर कार्यवाह चेतन, नगर सह संघचालक रुद्र नारायण, नगर व्यवस्था प्रमुख सुधीर सहगल, नगर बौद्धिक प्रमुख फूलचंद, पूरब भाग सह संपर्क प्रमुख प्रमोद सिंह, चन्द्रशेखर पांडे, योगेश्वर प्रदेश अध्यक्ष एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन अनिल बंसल, हिन्दू जागरण सम्मेलन चिनहट द्वितीय वार्ड के भाजपा समन्वयक प्रदीप मिश्रा सहित नगर के अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

तेलीबाग में युवती को धमकी और ब्लैकमेलिंग का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। तेलीबाग थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। तेलीबाग निवासी इलाके में रहने वाली एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कि कुम्हार मंडी, तेलीबाग निवासी शिवम ठाकुर और उसकी पत्नी जोया ठाकुर उसे लगातार धमकी और ब्लैकमेल कर रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, आरोपी दंपती मिलकर उसे परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि शिवम ठाकुर फोन पर फोटो वायरल करने की धमकी देता है और मिलने का दबाव बनाता है, जबकि उसकी पत्नी घर आकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देती है। पीड़िता का यह भी कहना है कि उसे तेलीबाग में दिखने पर उठवाने, बदनाम करने, काम न करने देने जैसी धमकियां दी गई हैं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और फोटो दिखाकर बेइज्जत करने की बात कही गई है। लगातार मिल रही धमकियों से वह भयभीत है और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। पीड़िता ने मामले में कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। फिलहाल यह पीड़िता के आरोप हैं, पुलिस की ओर से जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो। पीजीआई पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं।

सरकारी खरीद पर भरोसा बढ़ा, श्री अन्न में किसानों को मिला ज्यादा भुगतान

अमन लेखनी समाचार

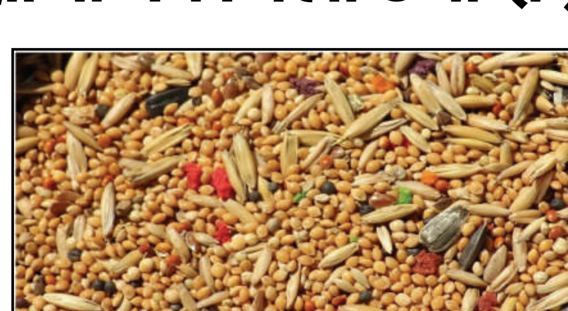

लखनऊ : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में श्री अन्न (बाजरा, ज्वार और मक्का) की सरकारी खरीद पर किसानों का भरोसा बढ़ा है। समय पर भुगतान के चलते किसानों ने इस बार खुले बाजार की बजाय सरकारी खरीद को तरजीह दी। नतीजा यह रहा कि पहली अक्टूबर से शुरू हुई खरीद प्रक्रिया में न केवल श्री अन्न की रिकार्ड खरीद हुई, बल्कि किसानों को पहले से कहीं अधिक राशि का भुगतान भी मिला। इस वर्ष प्रदेश में बाजरा, ज्वार और मक्का की कुल खरीद पिछले खरीफ सत्र से काफी अधिक रही। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सीधे किसानों से खरीद कर उन्हें आर्थिक सुरक्षा दी। बाजरा की खरीद 33 जिलों, मक्का की 25 जिलों और ज्वार की खरीद 11 जिलों में की गई। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरकारी केंद्रों पर सुविधाजनक व्यवस्था, पारदर्शिता और समयबद्ध भुगतान ने किसानों का भरोसा बढ़ाया है। सरकार ने ज्वार (मालदांडी) के लिए 3749 रुपये, ज्वार (हाइब्रिड) के लिए 3699 रुपये, बाजरा के लिए 2775 रुपये और मक्का के लिए 2400 रुपये प्रति कुंतल एमएसपी तय किया था। इसी दर पर खरीद होने से किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिला। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बाजरा की खरीद दोगुणा से अधिक रही। इस बार सबसे अधिक बाजरा की खरीद हुई है।

किसानों को भुगतान

श्री अन्न	खरीद	किसानों को भुगतान
बाजरा	2.13 लाख मीट्रिक टन	598.04 करोड़ रुपये
ज्वार	43,562 मीट्रिक टन	162 करोड़ रुपये
मक्का	13,209 मीट्रिक टन	31.96 करोड़ रुपये

चांद सराय ग्राउंड पर शुरू हुआ क्रिकेट टूर्नामेंट

अमन लेखनी समाचार

गोसाईगंज। गोसाईगंज क्षेत्र में आयोजित आदर्श क्लब 11वॉ क्रिकेट टूर्नामेंट का चांद सराय क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी, विधायक अमरेश कुमार, ब्लॉक प्रमुख संघ के लखनऊ जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल, भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह भाजपा नेता अविचल शुक्ल, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री शिवेंद्र प्रताप शाही, भूपेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। आयोजक मोहित वर्मा एवं अनुपम सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कॉमेंटेटर मोहित डेविड ने बेहतरीन अंदाज में पूरे दिन मैचों का आंखों देखा हाल सुनाया। पूर्व प्रधान कासिमपुर बिरूहा महेश प्रधान के साथ क्षेत्र के कई सम्मानित प्रधान, अधिवक्ता व प्रबुद्ध लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आए हुए सभी आगंतुकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में शनिवार की रात उन्नाव हरदोई मार्ग पर सडक पार कर रहे बाइक सवार दो युवकों को सामने से आ रहे कार चालक ने टक्कर मार दी जिससे दोनों गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने एक को मृत घोषित कर जबकि दूसरे को गभींर हालत में हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गयी घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए भेज दिया।

रऊ करना गांव निवासी मोहित पुत्र किशोरी लाल 26 गांव निवासी नितीश पुत्र शिव कुमार 18 दोनों युवक एक ईट भट्ठे पर मजदूरी करते थे शनिवार की रात माखी मार्ग से सडक पार करते समय सफीपुर से उन्नाव की ओर जा रही कार की चपेट में आने से दोनों गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें

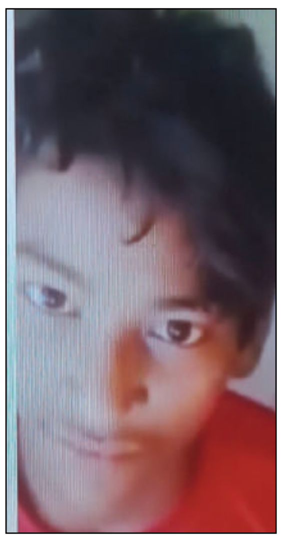

जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने नीतीश को मृत घोषित कर दिया जबकि मोहित को हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गयी मौत की सूचना मिलते ही दोनों

घरों में चीख पुकार मच गयी दुर्घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से भाग निकला पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है मृतकों के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर लिया है इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक नीतीश के शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है जबकि दूसरे मृतक का पीएम हैलट अस्पताल पुलिस चौकी द्वारा कराया जा रहा है।

मृतक मोहित चार भाइयों के बीच तीसरे स्थान पर था बड़ा भाई राहुल जबकि उससे छोटा शोहित की बीमारी से पिछले साल 14 जनवरी को मौत हो चुकी है सबसे छोटा रोहित एक बहन साधना है मृतक मोहित की 8 माह पहले कुदमा पुर अचलगंज निवासी लक्ष्मी के साथ शादी हुई थी

मृतक नितीश दो भाइयों के बीच बडा था छोटा भाई सौरभ है एक बहन मोनिका जिसकी शादी हो चुकी है मां बिट्टन सहित परिजन बेटे की मौत से आहत है।

मृतक दोनों युवक एक ही ईट भट्ठे पर काम करते थे जिससे परिवार का भरण पोषण हो रहा था शनिवार की रात मार्ग दुर्घटना में दोनों युवकों की मौत हो जाने से परिजन सदमे में हैं।

शवों के अंतिम संस्कार कराने के नाम पर लूट

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। बक्सर घाट पर अंतिम संस्कार कराने वालों के लिए इन दिनों काफी कठिनाइयो का सामना करना पड़ रहा है अंतिम संस्कार कराने वाले लोगों से जबरन पैसा मांगा जाता व लूट हो रही है जिसको लेकर आए दिन विवाद होते रहते हैं जिसको लेकर लोगों में आक्रोश है तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन थाना बारा सगवर क्षेत्र से पतित पावनी गंगा मां प्रवाहित हो रही है बक्सर घाट में पुराने जमाने से जनपद व अन्य जनपदों से शवों को अंतिम संस्कार होने की परंपरा चली आ रही है कोसों दूर से शवों को लेकर बक्सर घाट में अंतिम संस्कार कराते हैं इस समय प्रतिदिन 50 से अधिक शवों के आसपास अंतिम संस्कार के लिए आते हैं इन दिनों ठंड के कारण संख्या में इजाफा नजर आ रहा है शवों के अंतिम संस्कार कराने वालों को उस समय और झटका लगता है जब अंतिम संस्कार कराए जाने के नाम पर हजारों रुपए मांगे जाते हैं वहीं पांडा जमादार सफाई वाले नाविक अलग अलग पैसा मांगते है

सनातन की पहचान बनेगा सुगमेश्वर महादेव मंदिर पूर्व एमएलसी

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। सुगमेश्वर महादेव मंदिर सनातन की पहचान बनेगा।रविवार को मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के मध्य बोलते हुए पूर्व एम एल सी एवं अध्यक्ष अरविंद त्रिपाठी उर्फ गुड्डू ने यह बात कही सनद रहे कि आगामी शिव रात्रि को मंदिर की ओर शिव शोभा यात्रा निकाली जायेगी तैयारी व सुझाव जानने को मंदिर समिति ने बैठक बुलाई।

मौरावां में सुगमेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना के बाद से ही समिति के पदाधिकारी लगातार सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए मंदिर की प्रतिष्ठा बढ़ाने को श्रम शील है।आज सम्पन्न बैठक में शिव शोभा यात्रा को भव्य बनाने व यात्रा मार्ग को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ।ज्यादातर सदस्यों ने झांकियों की संख्या बढ़ाने,

यात्रा में गांवों की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया।अध्यक्ष श्री त्रिपाठी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों एवं सभी पदाधिकारियों के समर्पण को देखते यह स्पष्ट है कि भविष्य में सुगमेश्वर मंदिर सनातन की पहचान बनेगा।बैठक को प्रमोद कुमार दीक्षित, देवेंद्र तिवारी अध्यक्ष भारत गौ सेवा परिषद, श्यामू द्विवेदी, भूपेश कुमार, दिनेश साहू, पुत्तन सोनी जगदीश सिंह, नंग्गू सिंह आदि ने संबोधित किया व सुझाव दिए।

बताते चलें कि मंदिर की प्रस्तावित योजनाओं ने वेद विद्यालय संचालित करना है जिसकी तैयारी चल रही है प्रबंधक एस बी शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के सुझावों पर पूरी तरह अमल किया जाएगा।इस अवसर पर आर के सिंह, मोती लाल

निखिल शर्मा, दुर्गी सिंह, शिवशरण सिंह, दिनेश त्रिपाठी, शिवकंठ त्रिपाठी, त्रिभुवन दीक्षित, कपिल तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला अस्पताल में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एडी स्वास्थ्य (अपर निदेशक स्वास्थ्य) जेपी गुप्ता पांच सदस्यीय टीम के साथ औचक निरीक्षण पर पहुंच गए। अचानक हुए इस निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दिया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना और मिल रही शिकायतों की जांच करना था। एडी स्वास्थ्य जेपी गुप्ता सबसे पहले जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट पहुंचे। यहां उन्होंने भर्ती और इलाज के लिए आए गंभीर मरीजों को देखा। उन्होंने इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ से उपचार व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें समय पर इलाज और आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं या

नहीं। निरीक्षण के दौरान एडी स्वास्थ्य ने वार्डों का भी दौरा किया। यहां भर्ती मरीजों से बातचीत में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। कुछ मरीजों और तीमारदारों ने डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवाएं लिखे जाने की शिकायत की। बताया गया कि अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के बावजूद मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। जेपी गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि अस्पताल में दवाएं उपलब्ध हैं, तो बाहर से दवा लिखना पूरी तरह गलत है और इस तरह की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दवा वितरण कक्ष और स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया तथा उपलब्ध दवाओं की सूची और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, मरीजों की सुविधा, बेड व्यवस्था और चिकित्सकीय उपकरणों की स्थिति का भी जायजा लिया गया। कुछ स्थानों पर अव्यवस्थाएं मिलने पर एडी स्वास्थ्य ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है और यहां किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार्य नहीं

तकिया मेला में धड़ल्ले से बिक रहा मिलावटी खाजा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक तकिया मेला में धड़ल्ले से बिक रहा मिलावटी खाजा दुकानों में नकली खोया बनाकर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है खाद्य सुरक्षा विभाग बना अनभिज्ञे

तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन से 500 मीटर दूर उन्नाव से लालगंज नेशनल हाईवे के किनारे प्रसिद्ध ऐतिहासिक हिंदू मुस्लिम का एकता का प्रतीक तकिया मेला चल रहा है मेले में दूर-दूर से जिला अन्य जिलों प्रदेशों से दुकानदार आकर के अपना व्यापार करते हैं यह मेला खास तौर से कंबल खाजा व घोड़ा सहितअन्य जानवरों के लिए मशहूर माना जाता है जिसकी खास बिक्री होती है मेले से अन्य जिलों अन्य प्रदेशों में खाजा के शौकीन लोग खाजा मांगते हैं खाजा दुकानदारों के द्वारा नकली खाजा बनाने के सारे उपकरण सहित अन्य सारी सामग्री रखे हुए हैं देर शाम उन लोगों के द्वारा नकली खोया बना करके बेचा जा रहा है खोया घी का खाजा 400 से 700 तक बेचते हैं सबसे बड़ी भारी बात तो तब आती है जब असली खोया घी के नाम पर नकली खोया घी का खाजा बेचा जा रहा है रोड सेखाद्य सुरक्षा विभाग सहित अन्य अधिकारी गण दिनभर आते जाते हैं रोड के किनारे खाजा बिक रहा हैं लेकिन इन लोगों की नजर नहीं जाती है जिससे यह प्रतीत होता है कि इन लोगों पर किसी न किसी का संरक्षण प्राप्त है

परिवार परामर्श केंद्र से सकुशल विदा किए गए 15 जोड़े

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस लाइन परिसर में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में अलग अलग थानों में पंजीकृत पति पत्नी के विवादों के मद्देनजर दोनों पक्षों की सुनवाई की गयी और उनके बीच मन मुटाव को दूर कर सकुशल विदाइयाँ की गयीं।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह का सलाहकार मंडल ने बुके भेंट कर स्वागत करते हुए नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी युगल गिले शिकवे भुलाकर एक दूसरे का साथ दें और अपने परिवार को सुख समृद्धि की ओर ले जाएं। सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशि.) संचित शर्मा ने उपस्थित होकर परामर्श केंद्र की सराहना की। क्षेत्राधिकारी क्राइम प्रदीप मौर्य, प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय, प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी, उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा व मधु श्रीवास्तव, आरक्षी चिंतन और अंशू रानी सहित सलाहकार मंडल प्रभारी

डॉ आशीष श्रीवास्तव, सलाहकारों अबरार हुसैन, प्रभा यादव, डॉ मनीष सिंह सेंगर, शिल्पी श्रीवास्तव, सबीहा उमर, डॉ एस के पांडेय, डॉ शशि रंजना, सहयोगियों शिवेंद्र सिंह चौहान व अंकित रघुवंशी के संयुक्त प्रयासों से 9 वादों में से 5 युगलों की आपसी सुलह समझौते के बाद सकुशल विदाई की गयी। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, आरक्षी पूजा चौधरी व सुहावना द्वारा 4, सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्र कांत मिश्रा व हेल्प डेस्क आरक्षी शिखा और दुर्गेश द्वारा 2, बांगरमऊ से सालाहकार अबसार अली और सगीर अहमद खां व आरक्षी सेविका द्वारा 2 एवं थाना सोहरामऊ से 2 विदाइयाँ की गयीं। पुलिस लाइन परिसर में संचालन करते हुए डॉ आशीष श्रीवास्तव और डॉ मनीष सिंह सेंगर ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव व मंचासीन अतिथियों से सभी सलाहकारों का परिचय कराते हुए बताया कि उन्नाव परामर्श केंद्र ने पिछले वर्ष पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा विदाइयाँ करा कर पहला स्थान प्राप्त किया

चर्चित माखी कांड को लेकर कांग्रेस के जिला सचिव ने अपने पद से दिया इस्तीफा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। माखी कांड को लेकर कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह तेज हो गई है। जिला कांग्रेस कमेटी उन्नाव के जिला सचिव कुलदीप सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र जिला अध्यक्ष को भेजा है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटनाक्रम से कांग्रेस संगठन में असंतोष और मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। कुलदीप सिंह ने अपने इस्तीफे में माखी कांड को लेकर पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि इस प्रकरण में सच्चाई को सामने लाने के बजाय उसे दबाने का प्रयास किया गया। उनका आरोप है कि यदि पार्टी ने समय रहते सच के साथ खड़े होकर सही रुख अपनाया होता, तो उसे जनता का व्यापक समर्थन मिल सकता था। त्यागपत्र में कुलदीप सिंह ने यह भी उल्लेख किया कि माखी कांड ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया, लेकिन संगठन स्तर पर इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कांग्रेस संगठन की भूमिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि माखी कांड जैसे संवेदनशील मुद्दे पर पार्टी का रुख स्पष्ट नहीं रहा। कुलदीप सिंह ने अपने त्यागपत्र में राहुल गांधी के बयानों और चुनावी फैसलों पर भी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा कि जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर लिए गए फैसलों से कार्यकताओं का मनोबल टूटा है। पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को कार्यकताओं की भावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को समझना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि न तो पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़ा हुआ गया और न ही जनता के बीच सच्चाई को प्रभावी ढंग से रखा गया। इससे कांग्रेस की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। इस बीच, कुलदीप सिंह सेंगर की बेटी ऐश्वर्या सेंगर ने भी इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " पर एक पत्र पोस्ट किया है, जिससे यह मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम का असर आने वाले समय में कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति और राजनीतिक रणनीति पर पड़ सकता है।

हर्षौल्लास के साथ हजरत अली की मनाई गई विलादत

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बा में अमीर-उल-मोमिनीन हजरत अली इब्ने अबी तालिब का जन्मदिवस (विलादत) हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे के विभिन्न इमामबाड़ों और घरों में महफिल और नजर-ओ-नियाज का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था जो देर रात तक चलता रहा।

बांगरमऊ के विभिन्न मोहल्लों के साथ ही क्षेत्र के कई गांवों में अनेकों जगह भव्य महफिल का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय शायरों और उलेमाओं ने हजरत अली की शान में कसीदे पढ़े। उलेमाओं ने हजरत अली के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने पूरी दुनिया को न्याय, साहस और मानवता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि हजरत अली का ज्ञान और उनकी बहादुरी पूरी इंसानियत के लिए एक मिसाल है। ?विलादत के मौके पर कस्बे के प्रमुख स्थलों और इमामबाड़ों को रंग-बिरंगी रोशनी और झालरों से सजाया गया था। देर रात तक चले कार्यक्रमों में भारी संख्या में जायरीन और स्थानीय लोगों ने शिरकत की। लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी और खुशियां बांटीं। ?इस खुशी के मौके पर कई स्थानों पर लंगर और शर्बत का वितरण किया गया गया। अकीदतमंदों ने अपने-अपने घरों में नजर-ओ-नियाज का प्रबंध किया और मुल्क में अमन-चैन की दुआएं मांगी।

बीते दो दशक से टेल तक नहीं पहुंच रहा पानी, किसान चिंतित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज शारदा नहर से सम्पर्कित मोहद्दीनपुर अचलगंज माइनर में बीते दो दशक से से टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है जिससे कई गांवों के सैकड़ों किसानों के खेतों तक माइनर होने के बावजूद पंपिंग सेटो का सहारा लेना पड़ रहा है हालांकि विभागीय कागजों पर प्रतिवर्ष माइनर की साफ सफाई के नाम पर धन आवंटित हो रहा है।

मोहद्दीनपुर से धन्नीपुर तक उक्त माइनर का पानी जाता रहा है जिससे रास्ते में पड़ने वाले मवैया माफी, अचलगंज हडहा, बलऊ खेड़ा, धन्नीपुर, मनोहर पुर, आदि गांवों के सैकड़ों किसान अपने खेतों की सिंचाई

कर लाभान्वित होते रहे है।इन गांवों के रमेश, मेवालाल, राजेश यादव, गंगा भजन बताते है कि बीते दो दशक से माइनर से टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है जिससे पंपिंग सेट के जरिए महंगी सिंचाई करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के मुताबिक माइनर की सफाई हर साल की जा रही। इस वर्ष भी जेसीबी से सफाई कराई गई है। मुख्य मार्गों के आसपास अच्छी तरह से सिल्ट हटा दी जाती है ताकि देखने में लगे कि पूरी माइनर की साफ सफाई बढ़िया तरह से हुई है।लेकिन थोड़ी दूर अंदर जाने पर केवल घास कटाई ही दिखती।इसी कारण कस्बे के आगे साफ सफाई कम होने धीरे धीरे माइनर ऊंची हो गई जिससे पानी आगे नहीं जा रहा है।

प्रभारी सीएमओ ने मुख्य मंत्री आरोग्य मेले का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मुख्य मंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण में पहुचे प्रभारी सी एम ओ डाक्टर हरिनंदन प्रसाद को सकहन राजपूतान लगाए गए एल टी व रूपपुर चंदेला पी एच सी में डाक्टर अनुपस्थित मिले जिनसे स्पष्टीकरण मांगा गया।

सकहन राजपूतान पी एच सी पहुचे डाक्टर हरिनंदन को डाक्टर रिम्मी जायसवाल फार्मेसिस्ट राजकुमार वार्ड ब्वाय बृजमोहन शुक्ला सहित नर्स मौके पर मिले। एल टी नवीन कुमार शुक्ला बीते पांच माह से प्रशिक्षण के लिए गए होने के कारण मौजूद नही थे जिनके स्थान पर मेले में भेजे गए एल टी अभिजीत नही मिले सी एम ओ ने दवा का स्टाक व रखरखाव देखा क्षेत्र में होने वाले टीकाकरण व आयुष्मान

कार्ड की स्थित जानी।सी एम ओ ने आने वाले मरीजो की संख्या कम होने का कारण जाना तो कच्ची तालाब बनी सड़क के कारण लोगो के अस्पताल तक पहुचने की समस्या बताई। पी एच सी परिसर में बने जर्जर निप्रयोज्य आवास दिखा सही कराए जाने की मांग की। उसके बाद रूपपुर चंदेला पहुचे जहा फार्मेसिस्ट प्रमोद उत्तम मरीज देखते मिले डाक्टर नंदनी अनुपस्थित पाई गई जिससे नाराज सी एम ओ ने एल टी अभिजीत व डाक्टर नंदनी से स्पष्टीकरण मांगा। संतोषजनक स्पष्टीकरण न पाए जाने पर कार्यवाई के संकेत दिए फार्मेसिट उत्तम से दवा उपलब्धता व मरीजो की संख्या पूछी व नियमित टीकाकरण की जानकारी ली। इस मौके पर बी पी एम सचिन दीक्षित मौजूद रहे।

फांसी लगाकर युवक ने अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के सिंगूपुर गांव में शनिवार रात एक मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सिंगूपुर निवासी संदीप राजपूत (पुत्र उदन) के रूप में हुई है। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात करीब 9 बजे संदीप ने अपने घर में फांसी लगा ली। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया, तो परिजनों ने कमरे में जाकर देखा, जहां वह फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। दही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार, संदीप विवाहित था और उसकी पत्नी का नाम लक्ष्मी है। वह दो बच्चों (एक बेटा और एक बेटी) का पिता था। आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। परिजनों ने बताया कि संदीप मजदूरी करता था और अक्सर परिवार की जिम्मेदारियों को लेकर चिंतित रहता था। हालांकि, उन्होंने किसी बड़े तनाव या विवाद की जानकारी नहीं दी। पुलिस आर्थिक तंगी, पारिवारिक तनाव या किसी अन्य संभावित कारण की जांच कर रही है। दही थाना प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो पाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर पड़ा मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर खुर्द गांव में रविवार सुबह एक सब्जी विक्रेता का शव चारपाई के नीचे औंधे मुंह पड़ा मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक के मुंह पर चोट का निशान पाया गया हैं। सूचना मिलने पर एएसपी प्रेमचंद्र, सीओ सोनम सिंह तथा फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। ग्रामीणों के अनुसार शेरपुर खुर्द गांव निवासी श्याम सुंदर (40) पुत्र रामदयाल सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार रात वह अपने पुराने घर में सात वर्षीय भतीजी आरती के साथ सोया हुआ था। सुबह जब भतीजी की आंख खुली तो उसने चाचा को चारपाई के पास औंधे मुंह पड़ा देखा। किसी

अनहोनी की आशंका पर उसने गांव वालों को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो श्याम सुंदर मृत अवस्था में पाया गया। मुंह पर चोट के निशान मिलने पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पड़ताल शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि श्याम सुंदर शराब का आदी था। करीब 16 वर्ष पूर्व उसकी पहली पत्नी रानी घर छोड़कर चली गई थी। बाद में दूसरी पत्नी शिल्पी भी उसे छोड़कर मायके चली गई। बताया जाता है कि उसकी मां भी बेटी के साथ लखनऊ में रह रही है। बड़े भाई रामदयाल ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व उसकी पत्नी भी उसे छोड़कर चली गई थी और वह अपने बच्चों के साथ अलग घर में रहता है।

कोतवाल एसएन त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया अधिक शराब पीने के बाद गिरने से चोट लगने की आशंका लग रही है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। देश ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबल पावर बन कर उभर रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जब भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में इसी उपलब्धि का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

रक्षा उत्पादन का स्वदेशीकरण

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

वरिष्ठ स्तंभकार

> 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से आगे बढ़ रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में देश ने आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

भारत की रक्षा व्यवस्था के जटिल यक्ष प्रश्न की विवेचना करनी है तो फिर सबसे पहले अत्यंत शक्तिशाली चीन की सैन्य चुनौती हमारे समक्ष उपस्थित हो जाती है। सन् 1947 में आजादी हासिल करने के पश्चात शांति और अहिंसा का परचम लहराते हुए तत्काल तौर पर भारतीय हुकूमत द्वारा अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान केंद्रित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप 1962 में विस्तारवादी फितरत के चीन द्वारा जब भारत पर भीषण आक्रमण अंजाम दिया गया तो फिर भारत को शर्मनाक तौर पर सैन्य पराजय का सामना करना पड़ा। इस ऐतिहासिक पराजय के तत्पश्चात भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर समुचित ध्यान देना प्रारंभ किया और सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध में भारत ने अपनी फतह का झंडा लहरा दिया। भारत वस्तुतः पाकिस्तान को चार विकट युद्धों में पराजित कर चुका है। यहां तक कि सन् 1971 में बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित भी कर चुका है। विगत तकरीबन 36 वर्षों से कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का भी अत्यंत कामयाबी से मुकाबला कर रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सैन्य शक्ति ने पाकिस्तान में संचालित आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने में जबरदस्त कामयाबी हासिल की है।

विदेशी सैन्य निर्भरता

आजादी के तत्पश्चात एक लंबे ऐतिहासिक दौर तक भारत को अपनी सेना के लिए आधुनिकतम सैन्य अस्त्र शस्त्रों की खातिर विदेशी सैन्य शक्तियों पर, विशेष कर सोवियत रूस पर निर्भर बना रहना पड़ा। लड़ाकू विमानों से लेकर टैंक, तोप, बारुद तक भारत की सैन्य निर्भरता रूस पर कायम रही। भारत में सन् 1988 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल पृथ्वी का कामयाब परीक्षण किया गया। सन् 1990 में सोवियत रूस में निर्मित मिसाइल आकाश का सफल परीक्षण किया गया और वर्ष 2008 में इसे भारतीय वायु सेना को प्रदान किया गया। सन् 2001 में भारत द्वारा रूस के टेक्नोलॉजिकल सहयोग

से निर्मित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को भारतीय रक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया। 21वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल से ही भारत ने अपनी रक्षा उद्योगों में आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के स्वदेश में ही निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिकतम अस्त्र शस्त्रों के निर्माण में विशिष्ट किरदार निभाया गया है। सैन्य रक्षा उद्यमों में रक्षा सामग्री का स्वदेश में निर्माण करने के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में भारत सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर को भी निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी गई।

एयर डिफेंस सिस्टम

26 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डिफेंस मिशन सुदर्शन चक्र के तहत रूस द्वारा प्रदत एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का भारत में ही निर्माण करने का ऐलान किया गया। उल्लेखनीय है कि रूस द्वारा सन् 2018 में भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम निर्माण टेक्नोलॉजी के साथ प्रदत्त किया गया था। अमेरिका द्वारा इजराइल को प्रदत्त आयरन डोम की तुलना में एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम रक्षा विशेषज्ञों द्वारा कहीं अधिक कारगर करार दिया जाता है। भारत और इजराइल रक्षा सहयोग के तहत बराक-8 और स्पाइडर मिसाइल प्रोजेक्ट स्थापित किए जा रहे हैं। 2026 में भारत अपने गतिशील कदमों से अग्रसर हो रहा है, किंतु सन् 2025 को भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष के तौर पर सदैव स्मरण किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष को आधिकारिक तौर पर रक्षा क्षेत्र में बुनियादी सुधारों का वर्ष घोषित किया गया था। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा आत्मनिर्भरता, ऑपरेशनल स्वायत्तता, रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन, रक्षा सामग्री के निर्यात और संस्थागत सुधारों में अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण और वैश्विक रक्षा कूटनीति में इस वर्ष ने एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की एक शानदार और आकर्षक तस्वीर पेश की है।

रक्षा उत्पादन उच्च स्तर पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 1.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में अट्ठारह फीसदी अधिक रहा और वित्तीय वर्ष 2019-20 की तुलना में नब्बे फीसदी की वृद्धि हासिल की है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने सत्तर फीसदी का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर तेईस फीसदी हो गई। रक्षा सामग्री का कुल निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें विगत वर्ष की तुलना में बारह फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू द्वारा क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान रहा। सन् 2029 के लिए रक्षा सामग्री के निर्यात लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा मंत्रालय को रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में दस फ़ीसदी अधिक और कुल बजट का चौदह फ़ीसदी हैं, जोकि सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है। पूंजीगत व्यय 1.80 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें से 75 फीसदी (1.12 लाख करोड़ रुपये घरेलू खरीद के लिए और 28,000 करोड़ रुपये निजी उद्योग के लिए आरक्षित रहे। सुधारों के सन् 2025 के लक्ष्य के अनुरूप ही सन् 2026 में भी रक्षा उद्योगों के स्वदेशीकरण और आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के समावेश का लक्ष्य रखा गया है। 23 अक्टूबर को जारी और एक नवंबर से लागू होने वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल 2025 ने सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपये की रेवेन्यू प्रोक्योरमेंट प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 62,370 करोड़ रुपये में 97 एलसीए विमानों के निर्माण करने का ऑर्डर दिया गया है, मिसाइलों, रडारों और गोला-बारूद के लिए डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के साथ कई रक्षा अनुबंध किए गए हैं।

एरो इंडिया का आयोजन

सन् 2029 तक रक्षा सामग्री उत्पादन का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। नई दिल्ली में डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग-डीपीएसयू-भवन का उद्घाटन अंजाम दिया गया और बेंगलुरु में एरो इंडिया 2025 का सफल आयोजन किया गया। भारतीय रक्षा व्यवस्था के लिए जिस तेजी के साथ स्वदेश में ही आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, यकीनन वह दिन दूर नहीं है, जबकि भारत रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में अपने पैरों पर पूर्णतया खड़ा हो जाएगा

उल्लेखनीय है स्वदेशी रक्षा प्रणाली की प्रगति

मुद्दा

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

आधुनिक युग में विश्व के किसी भी राष्ट्र की महत्ता जिन शक्तिशाली संसाधनों के आधार पर निर्धारित होती है, उनमें युद्धक अस्त्र-शस्त्र प्रथम हैं। भारत के संदर्भ में विचार किया जाए तो गत साढ़े आठ दशकों से इस दिशा में यहां उत्तरोत्तर प्रगति होती रही। हमारे रक्षा वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यान्य संबद्ध कर्मचारियों ने राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ मिलकर इस संबंध में अविस्मरणीय कार्य किए हैं। विशेषकर गत चौदह-पंद्रह वर्षों में रक्षा अनुसंधान, निर्माण, उत्पादन, मित्र राष्ट्रों के साथ सहयोग पर आधारित आधुनिक रक्षण प्रणालियों की खोज व निर्माण तथा अंततः रक्षा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने के बाद निर्यात में भी अग्रिम पंक्ति के देशों में सम्मिलित होने की उपलब्धि सराहनीय है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रणाली पिछले एक दशक में 'आयात निर्भरता' से 'आत्मनिर्भरता' की ओर तीव्रतापूर्वक बढ़ी है। सन् 2025 तक भारत ने रक्षा क्षेत्र में न केवल अपनी तकनीकी व प्रौद्योगिकीय क्षमता को सिद्ध किया है, बल्कि हमारा देश वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख रक्षा निर्यातक के रूप में भी उभरा है। आज यहां आधुनिक अस्त्र-शस्त्रों का बड़े पैमाने पर नवोन्नत ढंग से निर्माण हो रहा है। नित नवीन स्वदेशी रक्षा प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। इस क्षेत्र में मित्र देशों के साथ खोज से लेकर उत्पादन तक उपयोगी साझेदारियां भी की जा रही हैं। वर्तमान में देश की आधुनिक प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) प्रणाली एक बड़ी उपलब्धि है। यह प्रक्षेपास्त्रीय तकनीक विश्व की सबसे उन्नत प्रणालियों में से एक है। इस उन्नतिकरण में 'इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम' की विशाल भूमिका रही है। इसके अंतर्गत अग्नि-5 और अग्नि-6 अति उल्लेखनीय है। इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है। इस प्रयास से प्रेरित होकर अब अग्नि-6 का निर्माण हो रहा है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल तकनीक से युक्त है। गत वर्ष मई माह में ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ हुए अल्पावधि के युद्ध में देशवासियों ने ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र का युद्धक प्रदर्शन देखा ही था। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। भारत अब इसके हाइपरसोनिक संस्करण ब्रह्मोस-दो पर काम कर रहा है, जो मैक 7 से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है। प्रलय मिसाइल का भी उल्लेख हो रहा है। यह एक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे विशेष रूप में पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्र की वायु रक्षा प्रणाली भी प्रशंसनीय है। शत्रु के वायु मार्गीय आक्रमणों को वायुक्षेत्र में ही नष्ट करने के लिए भारत ने एक बहुस्तरीय सुरक्षा कवच तैयार किया है। इसके अंतर्गत पहले वर्णन आता है आकाश का। यह कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसके नए संस्करण 'आकाश प्राइम' में स्वदेशी एक्टिव रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगा है। वीशॉर्ड्स नामक एक मैनपैड मिसाइल भी भारत में बनी है। ये बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो युद्धक प्रतिरोध के लिये विश्वसनीय होने के साथ-साथ पर्वतों में सैनिकों द्वारा सुगमता से कंधे पर लादकर उपयोग की जा सकती है। समर का उल्लेख भी आवश्यक है। ये भारतीय वायु सेना द्वारा विकसित प्रणाली है, जो पुरानी रूसी मिसाइलों को आधुनिक लॉन्चर के साथ जोड़कर बनाई गई है। इस समय स्वदेशी लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर के विनिर्माण में भी तेजी आई है। भारतीय वायु सेना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत विकसित विमानों पर अधिक भरोसा कर रही है। इस श्रृंखला का महत्वपूर्ण अंग है तेजस। तेजस एमके1ए एवं एमके2 भी नवोन्नत विमान हैं। उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में बन रहे दो रक्षा उत्पादन केंद्रों ने निजी और सरकारी क्षेत्र के निर्माण को गति दी है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रुपये 21,083 करोड़ का ऐतिहासिक रक्षा निर्यात किया, जो गत वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है। भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारतीय शासन ने 2024-25 तक रक्षा उत्पादन का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा था, जिसमें 35,000 करोड़ का निर्यात लक्ष्य सम्मिलित है, जिसे पाने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। शासन ने 5,000 से अधिक रक्षा मदों की 'सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' निर्गत की है। इन मदों का निर्माण अब केवल भारत में ही किया जाएगा।

> इस वर्ष तक भारत की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित अग्नि-5 की मारक क्षमता 5000 किलोमीटर से अधिक है।

स्वदेशी मिसाइल शक्ति ने बदली सामरिक तस्वीर

तकनीक

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

साल के आखिरी दिन ओडिशा के तट पर आसमान में जो दृश्य उभरा, उसने भारत की सामरिक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। कुछ ही सेकंड के अंतर पर दागी गई दो प्रलय मिसाइलें न सिर्फ अपने तय लक्ष्यों तक सटीकता के साथ पहुंचीं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक अब परिपक्वता के उस स्तर पर पहुंच चुकी है, जहां भरोसे, सटीकता और ताकत एक साथ दिखाई देती है। परीक्षण के बाद जो निष्कर्ष सामने आया, उसने रक्षा वैज्ञानिकों और सशस्त्र बलों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया। प्रलय मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी है और सॉलिड फ्यूल पर आधारित है। यह तथ्य अपने आप में अहम है, क्योंकि सॉलिड फ्यूल मिसाइलें त्वरित प्रतिक्रिया, आसान रखरखाव और अधिक विश्वसनीयता के लिए जानी जाती हैं। इस मिसाइल में अत्याधुनिक इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम के साथ रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर लगाया गया है, जो उड़ान के दौरान उसे अपने रास्ते से भटकने नहीं देता। यही वजह है कि प्रलय तय लक्ष्य तक बिल्कुल सही दिशा में पहुंचती है और अंतिम क्षणों में भी सटीकता बनाए रखती है। आधुनिक युद्ध में जहां सेकंडों का महत्व होता है, वहां यह क्षमता निर्णायक साबित हो सकती है। इसकी तेज रफ्तार के कारण दुश्मन को प्रतिक्रिया का मौका तक नहीं मिल पाता। जब तक यह समझ में आए कि हमला हुआ है, तब तक लक्ष्य पर विनाशकारी असर हो चुका होता है। यही कारण है कि प्रलय को थिएटर लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के युद्ध परिदृश्यों में भारत को बढ़त दिला सकती है। यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है। दुश्मन देशों के लिए यह संदेश साफ है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। प्रलय जैसी मिसाइलें यह साबित करती हैं कि अगर जरूरत पड़ी, तो भारत तेजी से और सटीक जवाब देने में सक्षम है। यही कारण है कि इस परीक्षण के बाद दुश्मन देशों की भृकुटियां तनना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक मिसाइल का सफल परीक्षण नहीं, बल्कि भारत की सामरिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन है। आने वाले समय में जब प्रलय मिसाइल आधिकारिक तौर पर सेना में शामिल होगी, तो यह भारतीय सशस्त्र बलों की मारक क्षमता को एक नई धार देगी। देश के वैज्ञानिक और सैनिक मिलकर भारत की सुरक्षा को मजबूत बनाने में लगातार जुटे हुए हैं। साल के आखिरी दिन हुआ यह परीक्षण नए साल के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि भारत आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

> यह स्पष्ट है कि भारत अब केवल आयातक देश नहीं रहा, बल्कि रक्षा तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने वाला और समाधान देने वाला देश बन रहा है।

भारतीय रक्षा व्यवस्था की विश्व पटल पर बन रही पहचान

उपलब्धि

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत जैसे देश को युद्ध व लड़ाइयों को लेकर हमेशा तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमेशा ही विजय प्राप्त की। इसका कारण था कि हमारी रक्षा व्यवस्था व सैन्य शक्ति को हम समय-समय पर अपडेट व अपग्रेड करते रहे। हमारे शौर्य का जलवा पूरा विश्व जानता है। देश की रक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। अपने 68 साल के इतिहास में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

बीता वर्ष डीआरडीओ के लिए ऐतिहासिक रहा चूंकि 1.30 लाख करोड़ की डील करने में सफलता हासिल की है। यह एक साल में अभी तक का सर्वाधिक आंकड़ा बताया जा रहा है जिसको देखकर विश्व के संपन्न देश भी चौक गए। डिफेंस सेक्टर में भारत ग्लोबल पावर बनता जा रहा है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों का ही कमाल है कि भारत आज के दिन डिफेंस इक्विपमेंट एक्सपोर्टर बन गया है। आज इस उपलब्धि से देश का हर नागरिक खुश है तो वहीं दूसरी ओर विश्व पटल पर हमारी इज्जत बढ़ी है। लगभग दो दशक पूर्व भी कुछ शक्तिशाली देश हमें रक्षा व्यवस्था के आधार पर बेहतरीन नहीं मानते थे। समय बदला तो बाहरी देशों की मिथ्या बदली, चूंकि रक्षा व्यवस्था को लेकर हमारा बजट व सोच बहुत बड़े स्तर पर बढ़ी।

भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है, जो पिछले वर्ष के 6.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इतने बड़े बजट के साथ हम बलशाली बनकर उभरे हैं। आज हम जनसंख्या के आधार पर प्रथम स्थान पर आते हैं और हमारे देश पर सबकी निगाहें रहती हैं,

> भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किया है। इसमें सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 1.82 लाख करोड़ के पूंजीगत अनुबंध किए हैं।

जिसकी वजह से हमें हर समय चौकन्ना रहना होता है। डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चीफ कामत ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2025 में लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 22 स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के लिए 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' प्रदान की है। यह किसी एक वर्ष में दी गई सबसे अधिक मंजूरी है।

इस प्रकरण की सबसे अच्छी बात यह है कि सभी प्रणालियां भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित की जाएंगी, जिससे देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित जिन प्रमुख सिस्टम्स को एओएन मिली है उनमें इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम, कन्वेंशनल बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम, क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल सिस्टम 'अनंत शास्त्र', लंबी दूरी की हवा से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II और हवा से हवा में मार करने वाली 'अस्त्र' एमके-II मिसाइल शामिल हैं। इसके अलावा एंटी-टैंक नाग मिसाइल सिस्टम एमके-2, एडवांस्ड लाइटवेट टॉरपीडो, प्रोसेसर बेस्ड मूरड माइन की नेक्स्ट जनरेशन, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल वनए, माउंटेन रडार और एलसीए तेजस एमके-1ए के लिए फुल मिशन सिम्युलेटर को भी मंजूरी दी गई है। एओएन रक्षा खरीद प्रक्रिया का पहला और अहम चरण होता है। भारत की सैन्य शक्ति लगातार मजबूत हो रही है। खासकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहलों के तहत स्वदेशी उत्पादन, गोला-बारूद में आत्मनिर्भरता, उन्नत मिसाइलों (प्रलय, ब्रह्मोस) के सफल परीक्षण, और ड्रोन व नई तकनीक के एकीकरण के कारण जिससे भारत एक बड़ी रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है और आयात पर निर्भरता कम कर रहा है। अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत सबसे शक्तिशाली सेनाओं में शामिल है और पाकिस्तान टॉप-10 से बाहर हो गया है। भारत के पास बड़ी संख्या में सक्रिय सैनिक, टैंक, विमान और नौसैनिक पोत हैं और यह लगातार अपनी सैन्य क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। आज जरूरत है कि हम अपनी रक्षा व्यवस्था को लगातार अपडेट व अपग्रेड करते रहें।

डीआरडीओ ने दी देश की डिफेंस क्षमता को नई ऊंचाई

योगदान

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

बीते वर्ष ने भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को यह उपलब्धि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' (आईएडीडब्लूयएस) के सफल परीक्षण के जरिए हासिल हुई है। आईएडीडब्लूयएस के सफल परीक्षण के बाद न केवल भारत की एयर डिफेस क्षमता नई ऊंचाई पर पहुंच गई है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी बड़ी मजबूती मिली है। अहम बात यह है कि आईएडीडब्लूयएस पूरी तरह से भारत में स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया रक्षा उपकरन है। इस बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा तैयार किया गया है।

इसमें क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस मिसाइल और लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल है। यह प्रणाली दुश्मन देशों की ओर से लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और क्रुज मिसाइल से किए गए हमलों को अलग-अलग स्तर पर रोकने और दुश्मन के विमानों को हवा में ही मार गिराने में मदद करती है। खासतौर पर इसमें लगा हाई-पावर लेजर हथियार पलक झपकते ही शत्रु के हवाई लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। इस साल के अंत तक आईएडीडब्लूयएस को सेना में शामिल कर किए जाने की संभावना है।

आईएडीडब्लूयएस के सफल परीक्षण के बाद भारत उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास आधुनिक और बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। दरअसल भारत को लंबे समय से पश्चिम और उत्तर-पूर्व से सामरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर-पूर्व में चीन से उसके संबंध तनाव पूर्ण हालात में रहे हैं। भारत के दोनों परम्परगात शत्रुओं के पास आधुनिक लड़ाकू विमान, क्रुज मिसाइलें, बैलिस्टिक मिसाइलें और उच्च तकनीक के ड्रोन सिस्टम का बड़ा जखीरा है। ऐसी स्थिति में भारत एक ऐसी प्रतिरक्षा प्रणाली की आवश्यकता महसूस कर रहा था तो शत्रु देशों के हवाई हमलों को नाकाम कर सके। आईएडीडब्लूयएस 'सुदर्शन चक्र' भारत की इसी सोच का परिणाम है। भारत का सुरक्षा कवच 'सुद्रर्शन चक्र': मिसाइल डिफेंस सिस्टम सुदर्शन चक्र अपनी तकनीकी क्षमताओं के कारण बेहद खास है। यह सिस्टम 2500 किलोमीटर तक की रेंज में पाकिस्तान और चीन से आने वाली मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम

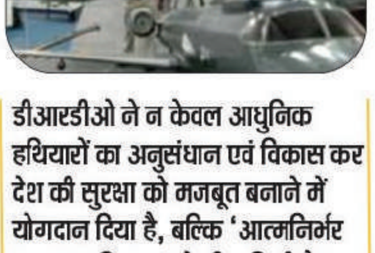

> डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी गति दी है।

होगा। सुदर्शन चक्र 150 किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में किसी भी मिसाइल को इटरसेप्ट करने में सक्षम होगा। इसमें आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और लेजर-गाइडेड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल हुआ है। यह 5 किलोमीटर प्रति सेंकड की रफ्तार से मिसाइल दाग सकता है और इसकी संरचना एक ग्रांउड-बेस्ट और स्पेस बेस्ड हाइब्रिड सिस्टम पर आधारित है जिसमें सैटेलाइट और रडार नेडवर्क दोनों शामिल है। इसका लक्ष्य दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल, क्रुज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को निष्क्रिय करना है। इसकी अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रूपये बताई जा रही है। कहना गलत नहीं होगा कि सुदर्शन चक्र भारतीय वायु सेना के लिए एक आधुनिक एकीकृत और शक्तिशाली 'आयरन डोम' है, जो देश के संवेदनशील क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे की हवाई हमलों से रक्षा करने में मदद करेगा। साल 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद देश की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने व रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। सरकार के इन प्रयासों को गति देने व देश की रक्षा व्यवस्था को दुरस्त करने में डीआरडीओ का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओं न केवल भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा कर रहा है बल्कि भारत के हथियार निर्यात को भी बढ़ा रहा है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों का रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख खरीददार है। इसके अलावा रूस, इटली, संयुक्त अरब अमीरात, फिलीपींस, सऊदी अरब, स्पेन, अर्जेंटीना, नाइजीरिया, वियतनाम और मॉरिशस भी भारत से हथियार खरीद रहा है। भारत इन देशों को तेजस विमान, आकाश मिसाइल, पिनाक रॉकेट सिस्टम, आर्टिलरी गन और ब्रहमोस जैसी मिसाइलों के साथ-साथ सॉफ्टवेयर व कल-पुर्जे भी निर्यात कर रहा है। डीआरडीओं का योगदानः आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर भारत दुनिया की बड़ी ताकत के तौर पर उभर रहा है। सैन्य मोर्चे पर भारत को शक्तिशाली देश बनाने में डीआरडीओं का बड़ा योगदान रहा है। डीआरडीओ ने न केवल आधुनिक हथियारों का अनुसंधान एवं विकास कर देश की सुरक्षा को मजबूत बनाने में योगदान दिया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्रन को गति देने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि डीआरडीओं ने स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूती देने के लिए कई पहल की है। ब्रहमोस मिसाइल जैसे सौदे और स्वदेशी उत्पादन पर फोकस किए जाने के कारण आज भारत डिफेंस सेक्टर में ग्लोबन पॉवर बन कर उभर रहा है। कोई दो राय नहीं कि इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' के सफल परीक्षण से हमारे पारंरिक शत्रु सकते में हैं।

ऑल इंडिया पसमांदा समाज की तरफ से कंबल वितरण का आयोजन

ठंड में कंबल पा कर खिल उठे गरीबों के चेहरे

सामाजिक सेवा करना बेहतर इंसानियत का तकाजा: अभिजीत शास्त्री

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज में रविवार के दिन ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज की जानिब से कंबल वितरण का आयोजन किया गया। कंबल वितरण आयोजन में मुख्य अतिथि एडवोकेट अभिजीत रामकृष्ण शास्त्री थे शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक सेवा करना बेहतर इंसानियत होने का तकाजा है भीषण ठंड के दिनों में कंबल पा कर गरीबों के चेहरे खिल उठे हैं। जरूरत के समय पर लोगों के काम आना बेहतर इंसानियत होने की अलामत है। ऑल इंडिया मुस्लिम पसमांदा समाज की जानिब से शबनम हॉस्पिटल कैसरगंज पर आयोजित कार्यक्रम के मौके पर लखनऊ से तशरीफ लाए मेहमान खुसूसी अभिजीत रामकृष्ण शास्त्री ने पसमांदा समाज से जुड़े हुए सभी लोगों की बेहतर सराहना की। विशिष्ट अतिथि नेता क्रांति कुमार सिंह लोकतंत्र रक्षक सेनानी ने अपने संबोधन में कहा कि इस भयानक सर्द के दिनों में जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किया गया है जो की बहुत ही सराहनीय कार्य है। जरूरत के समय पर लोगों के काम आना यही अफजल इंसानियत होने की पहचान है। इस मौके पर नियाज प्रधान बारखुरद्वापुर बदलू राम मिश्रा मास्टर अशोक सिंह ठाकुर बृजेश सिंह राठौड़ डाक्टर एजाज अली कादरी डायरेक्टर शबनम हॉस्पिटल कैसरगंज महाजन अली मोहम्मद अली आदि तमाम संभ्रांत नागरिक भारी संख्या में मौजूद रहे।

क्षेत्र के विकास के लिए बाबा पाटिल चुनावी मैदान में

अमन लेखनी समाचार

ठाणे, ठाणे के प्रभाग क्रमांक 29(क) ठाणे महानगर पालिका में चुनावी हलचल तेज हो गई है, रविवार का दिन उम्मीदवारों के लिए कार्यालयों के बनाने और जनसंपर्क के नाम रहा, यहां के शिवसेना के उम्मीदवार बाबा जी बालाराम पाटिल क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं रविवार का दिन देसाई गांव और रीवर वुड पार्क के निवासियों के लिए खासा उत्साह का रहा, शिवसेना उम्मीदवार बाबा पाटिल अपने लाव लश्कर के साथ यहां डोर टू डोर लोगों से मिलते नजर आते, एक खास बात यह नजर आ रही थी कि ,इमारतों के निवासी उनका पुष्प से स्वागत करते और महिलाएं उनका तिलक लगाकर स्वागत कर रही थीं, क्षेत्र के बुजुर्ग बाबा पाटिल से मिलकर अपनी बात रख रहे थे ,उन्होंने बी के फाउंडेशन सामाजिक संस्था के जरिए समय समय पर विद्यार्थियों का गुणगौरव ,अभिभावकों का स्वागत सत्कार ,जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूली गणवेश और शैक्षणिक साहित्य ,छात्रों का मार्गदर्शन शिविर ,तथा बेरोजगार युवकों को रोजगार सम्मेलन के जरिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ,वरिष्ठ नागरिकों का अभिनंदन जैसे सामाजिक कार्य में महारत हासिल किया है ,पाटिल अपने क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं ,

नए साल 2026 के संकल्प के साथ गोरखपुर पुलिस ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छ गोरखपुरझ्रस्वच्छ उत्तर प्रदेश का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। नए साल 2026 की सकारात्मक शुरूआत के साथ जनपद गोरखपुर में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु रविवार को व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। ह्लनए साल 2026 का संकल्प झ्र स्वच्छ गोरखपुर, स्वच्छ उत्तर प्रदेशह्व के तहत आयोजित इस अभियान में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान कर आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस महानिदेशक जोन गोरखपुर मुथा अशोक जैन ने किया। उनके साथ पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज गोरखपुर एस. चनप्पा, पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर राज करन नय्यर तथा पीएसी कमांडेंट गोरखपुर भी मौजूद रहे। अधिकारियों द्वारा विन्ध्यावासिनी पार्क एवं दिग्विजयनाथ पार्क में साफ-सफाई की गई और लोगों को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी विशेष दिन या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है। स्वच्छ वातावरण से न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बल्कि शहर की सुंदरता और पहचान भी निखरती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखें और स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग करें। सफाई अभियान में पुलिस अधीक्षक नार्थ ज्ञानेन्द्र, क्षेत्राधिकारी कैण्ट योगेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज अनुराग सिंह सहित नव-नियुक्त पुलिस प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षुओं द्वारा श्रमदान कर यह संदेश दिया गया कि कानून-व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अभिनव त्यागी द्वारा हर्बट बंधा क्षेत्र में तथा पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दिनेश कुमार द्वारा गोरखनाथ मंदिर मेला परिसर में अलग-अलग स्वच्छता अभियान चलाए गए। इन अभियानों में क्षेत्राधिकारी गोरखनाथ, प्रभारी निरीक्षक गोरखनाथ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे और साफ-सफाई में सहयोग किया। पुलिस प्रशासन की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने सराहा और स्वच्छ गोरखपुर के निर्माण में सहयोग का भरोसा जताया। यह स्वच्छता अभियान नए वर्ष में समाज को स्वच्छ, स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम साबित हुआ।

खास समाचार

कड़ाके की ठंड में मटेरा कस्बे में चला प्लास्टिक साफ सफाई अभियान

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वछता अभियान से प्रभावित होकर रविवार को थाना मटेरा द्वारा प्लास्टिक सफाई अभियान के अंतर्गत थाना परिसर एवं आवासीय स्थल के आसपास, पीएचसी मटेरा मे सघन सफाई अभियान चलाकर मार्केट में कूड़ा करकट की साफ सफाई करायी गयी। मटेरा थाना प्रभारी के दिशा निर्देश पर समस्त मटेरा थाने की पुलिस द्वारा साफ सफाई कराई गई है। थाना प्रभारी द्वारा कस्बा वासियों से अपील की गई कि वह अपने आसपास सफाई बनाए रखें।

श्री राम कथा के तीसरे दिन श्रीराम जन्म प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

जय श्री राम के जयकारों से गूंजा कथा स्थल

अमन लेखनी समाचार

चोपन। नर्वदेश्वर मंदिर परिसर में आयोजित सप्तदिवसीय श्री राम कथा के तीसरे दिन रविवार को भगवान श्रीराम के जन्म प्रसंग का सजीव एवं भावनात्मक चित्रण किया गया। कथा व्यास दिलीप कृष्ण भारद्वाज महाराज ने अत्यंत रोचक शैली में श्रीराम जन्म की कथा सुनाई। जैसे ही भगवान राम के जन्म का प्रसंग आया, पूरा कथा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा के दौरान महाराज ने कहा कि जब-जब धरती पर अनैतिकता, अधर्म, भ्रष्टाचार, चरित्रहीनता और अहंकार बढ़ता है, तब-तब प्रभु मानव रूप में अवतार लेकर भक्तों का कल्याण करते हैं। उन्होंने बताया कि श्रीराम जगत के पालक और सृष्टि के नियम के एक महत्वपूर्ण तत्व हैं, जिन्होंने साकार रूप धारण कर अयोध्या में राजा दशरथ के घर जन्म लिया। रामकथा मनुष्य को आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ जीवन में आदर्श गुणों का संचार भी करती है। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव प्रसंग के दौरान कथा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। अवतार प्रसंग के साथ ही पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के उद्घोष से भक्तिभाव में सराबोर हो गया। कार्यक्रम में चोपन सहित जनपद सोनभद्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि सप्तदिवसीय श्री राम कथा के माध्यम से क्षेत्र में धर्म, संस्कार और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। कथा का समापन प्रतिदिन भजन-कीर्तन एवं आरती के साथ किया जा रहा है।

विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) से स्वरोजगार: डॉ. सीपीएन गौतम

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच प्रथम पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के आदेश के क्रम में दो दिवसीय केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. सीपीएन गौतम के मार्गदर्शन में केंद्र पर किसानों को विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) वी बी जी राम जी के बारे जागरूक किया गया। डॉ. गौतम ने बताया कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यह भारत सरकार की एक नई ग्रामीण रोजगार योजना है जो पुरानी मनरेगा की जगह लाई गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय और बुनियादी ढांचे का विकास करना है, जिसमें 125 दिनों के काम और समय पर मजदूरी भुगतान पर जोर दिया गया है, साथ ही यह स्वरोजगार और संपत्ति निर्माण को भी बढ़ावा देती है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर शैलेन्द्र सिंह ने किसानों को बताया कि इस योजना का उद्देश्य है कि ग्रामीण परिवारों को हर साल 125 दिनों के काम की गारंटी देना, स्वरोजगार को बढ़ावा देना, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना। इस योजना में काम के दिनों (100 से 125 दिन), मजदूरी भुगतान की समय सीमा (15 दिन में ब्याज के साथ) और संपत्ति निर्माण (जल संरक्षण, जलवायु परिवर्तन) पर अधिक जोर देती है। इसमें फोकस केवल मजदूरी पर नहीं, बल्कि गांव के आर्थिक आत्मनिर्भरता और टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित करती है। इसमें 60:40 फंडिंग पैटर्न, केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा खर्च सीमा निर्धारित है, मौसमी कार्य-विराम, तकनीक-आधारित निगरानी और ग्रामीण विकास-केंद्रित मिशन मॉडल अपनाया गया है। केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नंदन सिंह, डॉक्टर अरुण कुमार राजभर और डॉ. प्रियंका सिंह ने भी जी राम जी के बारे में किसानों को जागरूक किया। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) से ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मिशन-शक्ति फेज: 5.0 के तहत जनपद भर में बहू बेटी सम्मेलन आयोजित

, महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण को लेकर शासन की मंशा के अनुरूप जनपद गोरखपुर में ह्लमिशन-शक्ति फेजझ्र5.0ह्व के विशेष अभियान के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। गोरखपुर डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक अपराध/नोडल मिशन-शक्ति गोरखपुर के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों द्वारा ह्लबहू बेटी सम्मेलनह्व का आयोजन कर चौपाल के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, सशक्तिकरण और विश्वास का वातावरण तैयार करना रहा। ह्लबहू बेटी सम्मेलनह्व के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं, बालिकाओं और छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं महिला पुलिसकर्मियों द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनों और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सम्मेलन के दौरान शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, जैसे महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाएं, छात्राओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं, तथा आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार से संबंधित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा की गई। इसके साथ ही महिला एवं बच्चों से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, छेड़छाड़, साइबर अपराध, बाल अपराध तथा अन्य महिला हिंसा से जुड़े मामलों में कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या या हिंसा की स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपात सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाया गया ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं बिना संकोच पुलिस या संबंधित विभाग से संपर्क कर सकें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं के बीच जागरूकता से संबंधित पंपलेट का वितरण भी किया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें, किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न को सहन न करें और निर्भय होकर आगे आएं। ह्लमिशन-शक्ति फेजझ्र5.0ह्व के तहत आयोजित यह ह्लबहू बेटी सम्मेलनह्व महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिससे समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत होने की उम्मीद है।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच ।मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत ग्राम सोनारी (महुरी कला) थाना कैसरगंज में बहू बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया आयोजन में आई हुई महिलाओं और बच्चियों को उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व सामाजिक कुप्रथाओं जैसे बाल विवाह ,घरेलू हिंसा के बारे में जानकारी देते हुए बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया.महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, एडृ व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए दी गयी तथा सरकारी योजनाएं जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री,विधवा पेंशन योजना,उज्जवला योजना की भी जानकारी दी गई। बालिकाओं को पढ़ने एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

मिशन शक्ति टीम/एंटी रोमियो टीम
उपनिरीक्षक बाबूलाल विश्वकर्मा
म0उ0नि0 आशा वर्मा
म0आ0 रोशनी देवी
म0आ0 दीपिका त्रिवेदी
म0का0 सुनीता देवी
म0का0 स्वाती तिवारी

वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का मिजार्पुर में भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर। देश के महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी ह्यधरती आबाह्न वीर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का आज 04 जनवरी 2026 को मिजार्पुर में भव्य स्वागत किया गया। यह साइक्लोथॉन 28 दिसंबर 2025 को रांची (झारखंड) से प्रारम्भ हुआ था, जो 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड समारोह के दौरान संपन्न होगा। समापन अवसर पर इसका स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। इस साइक्लोथॉन में कुल 19 सदस्यीय साइकलिंग टीम भाग ले रही है, जिसमें कर्नल अनिल कुमार यादव, कमांडिंग ऑफिसर 2 झारखंड एनसीसी बटालियन, आठ बालिका कैडेट (सीनियर विंग) एवं आठ बालक कैडेट (सीनियर डिवीजन) शामिल हैं। यह टीम अनुशासन, साहस और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर देशभर में युवाओं को प्रेरित कर रही है। मिजार्पुर आगमन पर 101 एनसीसी बटालियन के कम4ांडिंग ऑफिसर कर्नल राकेश उपाध्याय द्वारा साइक्लोथॉन दल का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 4 झारखंड एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अनिल कुमार भी उपस्थित रहे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के मध्य स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैडेटों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया। वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन का विकास करना, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को जन-जन तक पहुँचाना तथा ह्यस्वस्थ युवा, सशक्त भारतह्न के संदेश को मजबूत करना है। यह साइक्लोथॉन राष्ट्र सेवा, एकता और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देता हुआ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में कर्नल राकेश उपाध्याय, लेफ्टिनेंट कर्नल मौलिक चंद, सूबेदार जयप्रकाश सिंह, सूबेदार ओम प्रकाश,हवलदार अभिषेक,अंडर अफसर हर्ष गुप्ता,आकांक्षा तिवारी, अंकित मौर्या जीसीआई सिधिका विश्वकर्मा,जीसीआई अर्पिता कुमारी, श्रेया दुबे सहित अन्य एनसीसी कैडेट उपस्थित रहें

स्वच्छ रूपईडीहा, स्वस्थ रूपईडीहा के संकल्प के साथ चला संयुक्त सफाई अभियान

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत, नेपाल सीमा से सटे कस्बा रूपईडीहा में ह्लस्वच्छ रूपईडीहा, स्वस्थ रूपईडीहाह्व के नारे को साकार करने के उद्देश्य से रविवार को एक व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना रूपईडीहा के थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें कस्बे के व्यापार मंडल, बुद्धिजीवी वर्ग एवं संभ्रांत नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

सफाई अभियान के दौरान थाना रूपईडीहा के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रूपईडीहा के पदाधिकारी तथा स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और बाजार क्षेत्रों की साफ-सफाई की। अभियान के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया। थाना प्रभारी रमेश सिंह रावत ने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल बेहतर स्वास्थ्य का आधार है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और गंदगी फैलाने से बचें। साथ ही, उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों को जारी रखेगा। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस और आमजन के संयुक्त प्रयास से कस्बे को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। अभियान के अंत में सभी ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

पशु क्रूरता में चार गिरफ्तार, छः पशु और एक पिकअप बरामद

अमन लेखनी समाचार

नसीराबाद, रायबरेली। पुलिस ने रविवार को स्थानीय थाना क्षेत्र से क्रूरता पूर्वक एक पिकअप में लादे गए 06 पशुओं समेत चार व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है। पीआरबी 112 की सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक विनोद कुमार पांडेय, उप नि.विमलकांत गोयल, हेड का. अरविंद कुमार और का. प्रमोद मिश्र ने जायस सलोन रोड पर आलमपुर मोड इमरती कुआं के पास एक पिकअप वाहन खड़ा था जिस पर दो भैंस और चार पड़वा लदे थे जो कराह रहे थे। एक पिकअप वाहन में केवल एक ही पशु लादा जा सकता है। पिकअप पर चारा पानी तो था नहीं, फर्श पर पुआल भी नहीं बिछा था। पिकअप के साथ चल रहे व्यक्तियों ने बताया कि वह इन्हें बेचने के लिए जामो अमेठी बाजार ले जा रहे हैं। पुलिस ने वाहन चालक राहुल यादव पुत्र अनोखेलाल, कल्लू उर्फ बबन पुत्र बाबूलाल निवासीगण सैनाचक थाना डीह, सुनील पुत्र गुरुदीन दुबे का पुरवा मजरे दिलावल पुर व कुलदीप पुत्र पितई निवासी परशदेपुर थाना डीह को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर लिया और घटना में प्रयुक्त वाहन को एमवी एक्ट के अंतर्गत सीज कर दिया। पशुओं को थाना परिसर में रखकर उनके चारा पानी का प्रबंध किया जा रहा है।

काठमांडू और छपरा में होगा फाइनल, काश्मीर, दिल्ली बाहर

आकर्षण का केन्द्र यूपी और बिहार के बीच महिला फुटबाल मैच

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज जनपद के नगर पंचायत परतावल में आयोजित ₹ढकउ फुटबाल गोल्ड कप₹ आल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन का तीसरा दिन सफल रहा। तीसरे दिन का पहला सेमीफाइनल मुकाबला काश्मीर और काठमांडू के बीच खेला गया जिसमें दो शून्य की बढ़त से काठमांडू नेपाल ने जीत दर्ज कर फाईनल में जगह सुरक्षित किया। जबकि दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला छपरा और दिल्ली के बीच कश्मकश मुकाबला खेला गया जिसमें पेनाल्टी शूटआउट से छपरा ने मुकाबले को जीत लिया, और दिल्ली को हार का सामना करना पड़ा।

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

- ▸▸ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट
- ▸▸ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
- ▸▸ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

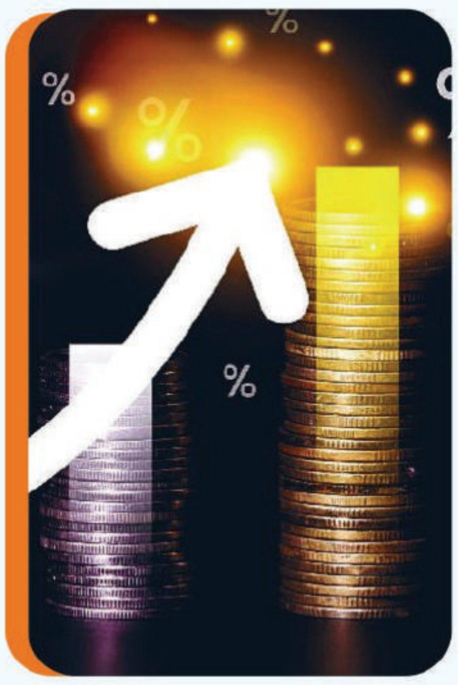

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- ▸▸ निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▸▸ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- ▸▸ एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- ▸▸ इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- ▸▸ टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- ▸▸ स्थिरता और कम जोखिम
- ▸▸ लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- ▸▸ अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- ▸▸ विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

- ■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
- ■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए है और करदाता उसका स्रोत बताए

जानकारी

बिजनेस डेस्क

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्त्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

● बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ● अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव ● एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव

बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90—100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

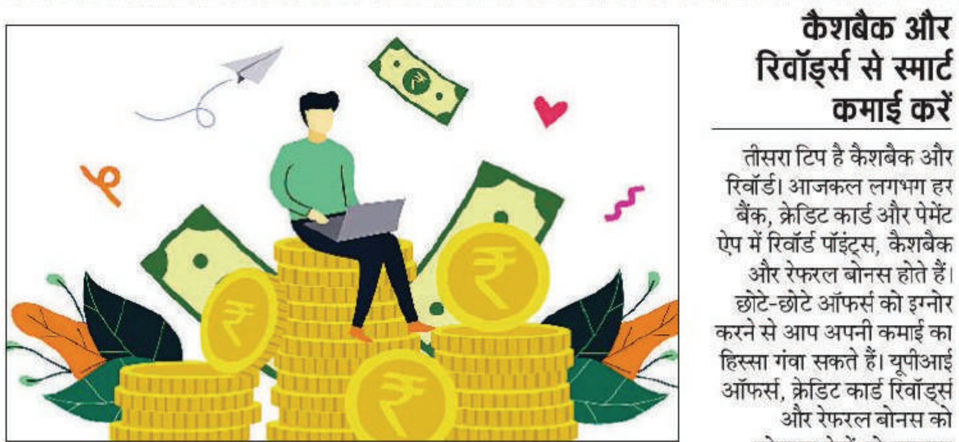

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याददाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे मे कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले पर बने क्षतिग्रस्त जाल में धंसी

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झाँसी। नगर के मुहल्ला पाएगा में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले पर बने जाल में धंस गई। यह घटना नाले पर लगे लोहे के क्षतिग्रस्त जाल के कारण हुई, घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।इस घटना से लगभग आधे घंटे तक वार्डवासियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ता अवरुद्ध होने के कारण लोगों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करना पड़ा। स्थानीय निवासियों के अनुसार इस रास्ते में नाले पर आधा दर्जन से अधिक जाल लगे हुए जिसमें से 50 फीसदी जाल क्षतिग्रस्त है। इन क्षतिग्रस्त जाल पर कई बार बच्चे, बूढ़े लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं हालांकि, इस समस्या का अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।घटना का एक वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रैक्टर-ट्रॉली को नाले के जाल में धंसा हुआ और आसपास लोगों की भीड़ देखी जा सकती है।स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से क्षतिग्रस्त नाले के जाल को तत्काल बदलने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सठिगवां कस्बे के एक गन्ना प्लांट के समीप जहानाबाद फतेहपुर मार्ग पर कल देर शाम दो मोटरसाइकिलों में भीषण भिड़ंत हो गई आमने-सामने हुई भिड़ंत में दोनों गाड़ियों पर सवार चालक बुरी तरह घायल हुए स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस द्वारा दोनों घायलों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली लाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार करने के पश्चात कानपुर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया मिली जानकारी के अनुसार दोनों बाइक चालक 30 वर्षीय पंकज पुत्र राम सजीवन निवासी नारायणपुर तथा अजीत कुमार निवासी गांव कुंदे रामपुर थाना चांदपुर के निवासी बताए गए वहीं कानपुर जाते समय रास्ते में पंकज की मौत हो गई यह जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया वहीं घायल अजीत को उपचार हेतु कानपुर हैलट भेजा गया

रुपईडीहा में पुनः बाघ की मौजूदगी की आशंका से दहशत, वन विभाग ने चलाया सर्च अभियान

अमन लेखनी समाचार

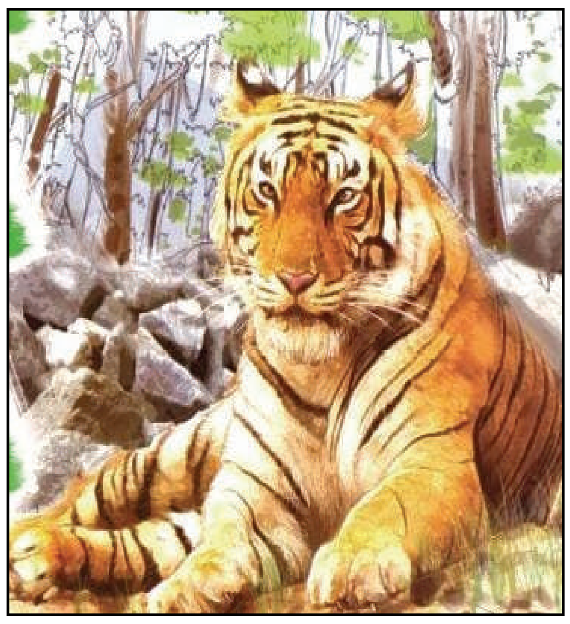

रुपईडीहा, बहराइच। भारतझ्नेपाल सीमा से सटा कस्बा रुपईडीहा, जिसके पूरब और पश्चिम दोनों ओर घने जंगलों की श्रृंखला फैली हुई है, एक बार फिर बाघ की मौजूदगी की आशंका को लेकर दहशत के माहौल में है। कुछ दिन पूर्व एक बाघ जंगल से भटककर कस्बे के नजदीक दिखाई दिया था, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। इसी दौरान नगर पंचायत रुपईडीहा के वार्ड पचपकरी क्षेत्र में बाघ के हमले में तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हालांकि, वन विभाग की तत्परता से बाघ वापस जंगल की ओर चला गया था। शनिवार की रात एक बार फिर रुपईडीहा क्षेत्र में बाघ के देखे जाने की आशंका जताई गई। बरथनवा गांव के ग्रामीणों ने वन विभाग को फोन कर कस्बे के आसपास बाघ की मौजूदगी की सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ लोगों ने बाघ को आईसीपी (इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट) के पास देखा, वहीं कई लोगों ने बाघ की दहाड़ने की आवाज सुनने का भी दावा किया।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई। इस संबंध में जब वन रेंज अधिकारी रुपईडीहा अतुल कुमार श्रीवास्तव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की पूरी टीम मौके पर पहुंच गई है और संभावित क्षेत्रों में सघन सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक बाघ के कोई पदचिह्न या उसके मौजूद होने के ठोस संकेत नहीं मिले हैं, फिर भी एहतियात के तौर पर क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

दूसरी ओर, स्थानीय मोहल्लों में बाघ की मौजूदगी की चचाओं और अफवाहों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पूरी रात कई परिवार दहशत के कारण जागते रहे। क्षेत्र में बाघ होने की खबरें तेजी से फैलने के कारण लोगों में किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब तक किसी नए बाघ हमले की कोई सूचना सामने नहीं आई है।

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, रात के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग या प्रशासन को दें।

ग्राम टांडा में एक उम्मीद के तत्वाधान में जरूरतमंदों को बांटे गए 300 कंबल

राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव के निर्देशन में हुआ वितरण

अमन लेखनी समाचार

झांसी। एक उम्मीद जन कल्याण सेवा समिति की राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव के निर्देशन में रविवार को ग्राम टांडा में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों को 300 कम्वल वितरित किए गए। इस अवसर पर झांसी मंडल अध्यक्ष प्रदीप यादव टांडा ने कहा कि संस्था की राष्ट्रीय सचिव बहन दीक्षा यादव के निर्देशन में निरंतर गरीब असहाय बुजुर्ग महिलाओं को सर्दी को देखते हुए कंबल वितरण किए जा रहे हैं।इस मौके पर कुलदीप यादव टांडा, एक उम्मीद के मंडल उपाध्यक्ष निसार खान साकिन, मंडल कोषाध्यक्ष मुकेश गौतम शाहजहांपुर, मानवेंद्र कुशवाहा, विनोद पाल, दीपक यादव बिजौली, सुशील यादव, प्रमोद सिंह दांगी, पर्वत सिंह राजपूत, ऋषि अहिरवार, सिद्धार्थ गौतम, अरविंद सिंह सेन, संतोष राजपूत, नेहाल आदिवासी, बलराम अहिरवार, सुरजीत कुशवाहा, नरेंद्र अहिरवार, रामकुमार वर्मा, राकेश आदिवासी, सौरभ आदिवासी, पुष्पेंद्र पाल, अरविंद कुशवाहा सहित आदि लोग मौजूद रहे ।इस नेक कार्य के लिए ग्राम वासियों ने एक उम्मीद टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भोज में वरिष्ठ जनों का किया गया सम्मान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के भवलिया गांव में पूर्व प्रधान आनन्द सिंह ने आज समरसता भवज का आयोजन किया जिसमें गांव सहित छेत्र के सैकड़ो लोगो ने भाग लिया ।समरसता भोज के दौरान छेत्र के वरिष्ठ, प्रभुद्द, सम्मानित लोगो रमेश यादव, सतीश त्रिपाठी प्रधान सरवैया, भोलू दिछित प्रधान कालूखेड़ा, आनन्द रावत प्रधान चौपाई, स्याम बाजपेई, ज्ञान शर्मा, पुनीत सिंह, शानू सिंह, श्रीपाल सहित एक सैकडॉ लोगो को अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया, वही लगभग दो हजार छेत्र के गरीब, बेसहारा, असहाय, वृद्ध लोगो को कपकपाती ठंड् में कम्बल दे कर सम्मान किया । इस हाँड्कपाऊ ठंड में कम्बल पाकर लोगो कब चेहरे खिल गए, वही पूर्व प्रधान आनन्द सिंह को दुवाये देते नही थके ।कार्यक्रम के दौरान समाज सेवी अतुल सिंह, राजू सिंह, बंटी महाराज, आतम सिंह, विजय पांडेय मो शकील, राजेन्द्र सिंह, जवाहर यादव सहित छेत्र के सैकड़ो लोग मौजूद रहे ।

विधायक की बालिंग पर बैटिंग करते नजर आए कैबिनेट मंत्री

आरपीएल क्रिकेट टूनार्मेंट में दर्शकों का उमड़ा जन सैलाब

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत बुढ़वा गांव के आईटीआई खेल मैदान में चल रहे आरपीएल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट मे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान तथा क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने फीता काटकर मैच का शुभारंभ करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दी तथा खिलाड़ियों से रुबरु होकर उत्साहवर्धन किया इस दौरान क्रिकेट पिच में क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र पटेल की गेंदबाजी में कैबिनेट मंत्री ने रन बनाकर लोगों को खेल भावना के प्रति प्रेरित किया इस दौरान बालाजी स्ट्राइकर लखनऊ के संरक्षक एवं आरपीएल प्रीमियर लीग के अध्यक्ष सर्वेश तिवारी चेयरमैन राजकुमार वर्मा अविराम मोनू मिश्रा विराट शुक्ला अजय यादव ग्राम प्रधान सनोज कुमार श्रीकांत उत्तम समेत सभी पदाधिकारियों ने दोनों ही अतिथियों को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया टूनार्मेंट मैदान में दो मैच खेले गए सुबह पाली में बालाजी स्ट्राइकर लखनऊ के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम धनवंतरी राईजिंग स्टार को करारी शिकस्त देते हुए मैच जीत लिया दूसरे मैच में हंक इलेवन भलिगवां टीम के खिलाड़ियों ने रोमांचक प्रदर्शन करते हुए 180 रनों का विशाल स्कोर बनाकर मैच जीत लिया जबकि पीछा करने उतरी सहारा हॉस्पिटल राइजिंग कानपुर की टीम 13.3 और में मात्र 83 रन बनाकर ऑल आउट हो गई मैच जीतने वाली टीमों में बालाजी स्ट्राइकर के खिलाड़ी मनीष चौहान एवं हंक इलेवन के खिलाड़ी मनीष यादव ने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार पर कब्जा जमाया प्रीमियर लीग के अध्यक्ष सर्वेश तिवारी राजकुमार बर्मा मोनू मिश्रा विराट शुक्ला अजय यादव कंमेंन्ट्रेटर रत्नेश तिवारी (मुकुल) समेत अन्य पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया इस दौरान बड़ी संख्या में अतिथियों समेत दर्शकों के विशाल जन समुदाय ने खिलाड़ियों के रोमांचक प्रदर्शन का आनंद लियो

कैबिनेट मंत्री ने अंत्येष्टि स्थल का किया शिलान्यास

24 लाख रुपए की लागत से निर्मित हुआ अंत्येष्टि स्थल

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुरे जनपद के जहानाबाद विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़वां में नवनिर्मित अंत्येष्टि स्थल का लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान तथा क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने शिलान्यास करते हुए नवनिर्मित अंत्येष्टि स्थल का लोकार्पण किया मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत में निर्मित होने वाले इस स्थल को 24 लाख रुपए की लागत से निर्मित कराया गया जहां ग्राम प्रधान सनोज कुमार द्वारा शिलान्यास कार्यक्रम के आयोजन पर पहुंचे अतिथियों ने लोकार्पण करते हुए स्थल को आम जनमानस को सौंपा इस मौके पर मुख्य अतिथियों के साथ वरिष्ठ ग्रामीण जगमोहन लाल मिश्र सुभाष चंद्र सचान गंगू सचान महेंद्र वर्मा हिमांशू ग्राम प्रधान पति बिरनई श्रीकांत उत्तम राजू सचान ग्रामीण सुरेंद्र सचान (नेताजी) दीपांशु सचान शिवम सचान समेत सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण तथा क्षेत्रीय समाजसेवी मौजूद रहे आए हुए सभी अतिथियों का ग्राम प्रधान सनोज कुमार ने सादर आभार व्यक्त किया

महिला ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की लगाई गुहार

चांदपुर प्रशासन के ढीले रवैया के कारण न्याय के लिए फरियादियों को पहुंचना पड़ रहा जनपद

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव हरिजनपुर निवासिनी महिला रानी देवी ने जनसुनवाई के तहत पुलिस अधीक्षक फतेहपुर को लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई पीड़ित महिला ने बताया कि विगत 31 दिसंबर को उसके मकान में चोरी हुई जिसके बाद लिखित सिकायती पत्र लेकर महिला नजदीकी थाना चांदपुर पहुंची जहां थाना प्रभारी ने महिला का प्रार्थना पत्र स्वीकृत नहीं किया वहीं पीड़ित महिला ने दूसरे दिन 112 नंबर डायल करते हुए पुलिस प्रशासन की सहायता मांगी जहां पहुंची पुलिस प्रशासन ने औपचारिकता करते हुए मामले को ठंडा बस्ते में डाल दिया वहीं अवैध असलहा की शिकायत पर प्रशासन ने आरोपी छोटू उर्फ अंकुश पुत्र सुरेंद्र सिंह को अवैध असलहा के आरोप में जेल भेज दिया जेल से छूटने के बाद आरोपी ने महिला को पुनः जान से मार देने की धमकी देते हुए घर पर चढ़ाई की जिससे डरी सहमी महिला थाने पहुंच कर शिकायत की परंतु स्थानीय प्रशासन ने पीड़ित महिला की कोई सुनवाई नहीं की वही एक उप निरीक्षक पर भी पीड़ित महिला ने आरोप लगाते हुए प्रशासन पर सवाल खड़े किए न्याय न मिलने के पश्चात महिला जनसुनवाई के तहतपुलिस अधीक्षक फतेहपुर को लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए आरोपी समेत स्थानीय प्रशासन की हकीकत बंया की जहां पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए महिला को शांत्वना प्रदान की

ट्रेन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन रेलवे क्रासिंग के पास रविवार सुबह ट्रेन से उतरते समय चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अजगैन थाना क्षेत्र के बहाउद्दीन गांव के रहने वाले 35 वर्षीय जय शंकर पुत्र स्व. भगोती प्रसाद कानपुर में चप्पल बनाने का काम करता और रोजी रोटी के लिए वहीं रहकर मजदूरी भी करता था। रविवार को वह कासगंज से आने वाली ट्रेन से कानपुर से उन्नाव लौट रहा था। बताया गया कि जैसे ही ट्रेन अजगैन रेलवे क्रॉसिंग के पास धीमी हुई, तभी जय शंकर उतरने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह चलती ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आते ही उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और रेलवे तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच के बाद परिजनों को सूचना दी और आवश्यक कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन से उतरते समय हुई दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मृतक जय शंकर अपने परिवार का मुख्य सहारा था। उसके दो बच्चे रौनक, पायल पत्नी सविता माता पियारा हैं, जय शंकर की असमय मौत से पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बेहाल है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, रेलवे की ओर से भी घटना की जानकारी ली जा रही है।

जय शंकर के कंधों पर थी परिवार की जिम्मेदारी

परिजनों ने बताया कि जय शंकर के पिता भगोती प्रसाद की एक साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी थी। पिता की मौत के बाद से ही परिवार की जिम्मेदारी जय शंकर के कंधों पर थी। बताया गया कि जय शंकर चार भाइयों में सबसे बड़े थे और पूरे परिवार का खर्च उसी की कमाई से चलता था। उनकी अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

ससुराल आए युवक ने पत्नी को मारपीट कर किया घायल, जिला अस्पताल रेफर, आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी/ फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जाफराबाद गांव में ससुराल आए युवक आलोक कुमार निवासी ग्राम सलेमपुर थाना व जनपद कौशांबी ने शनिवार व रविवार की मध्य रात लगभग 1बजे अपनी पत्नी रूबी देवी उम्र लगभग 25 वर्ष के साथ गंभीर रूप से मारपीट कर घायल कर दिया। पति द्वारा की गई मारपीट से महिला के चेहरे में तथा गर्दन में गंभीर चोट आई जिसके चलते उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद रविवार की सुबह जिला अस्पताल फतेहपुर के लिए रेफर कर दिया। उधर मारपीट करने के आरोपी महिला रूबी देवी के पति आलोक कुमार को मायके पक्ष के लोगों तथा ग्रामीणों ने मिलकर पकड़ लिया और 112 नंबर पुलिस बुलाकर पुलिस के हवाले कर दिया। महिला रूबी देवी पुत्री घनश्याम उर्फ छन्नू की शादी 11 महीने पहले आलोक कुमार निवासी ग्राम सलेमपुर थाना कौशांबी जनपद कौशांबी के साथ हुई थी। मायके पक्ष के लोगों का आरोप था कि उसका पति आलोक कुमार अक्सर अपनी पत्नी रूबी देवी के साथ मारपीट करता है। बताया गया कि शुक्रवार को आरोपी आलोक कुमार अपने ससुराल जाफराबाद गांव आया था। शनिवार व रविवार की मध्य रात करीब 1 बजे आलोक कुमार ने अपनी पत्नी रूबी देवी के साथ गंभीर रूप से मारपीट कर दिया। इस मामले में कोतवाली बिंदकी पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

संदिग्धों की तलाश में वन विभाग और एसएसबी का संयुक्त सर्च अभियान जारी

भरवा बंदूक बरामदगी व बाघ हमलों के बाद चकिया रेंज में बढ़ाई गई सतर्कता

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने तथा वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने एसएसबी से समन्वय स्थापित कर सर्च अभियान शुरू किया है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग क्षेत्र में भरवा बंदूक के साथ एक कुख्यात शिकारी की गिरफ्तारी से तथा रुपैडिहा और आसपास के इलाकों में बाघ द्वारा किए गए हमलों की घटनाओं के बाद वन विभाग का चकिया रेंज पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसके मद्देनजर बहराइच वन प्रभाग की चकिया रेंज में वन विभाग और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से सघन सर्च व कांबिंग अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ जंगल क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों और अवैध घुसपैठ पर प्रभावी अंकुश लगाना है।संयुक्त टीम संवेदनशील वन क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है, वहीं जंगल से सटे गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है, ताकि मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोका जा सके। वन क्षेत्राधिकारी चकिया वी.के. मिश्रा ने बताया कि वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में एसएसबी के जवानों के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित भारत नेपाल सीमा से सटे इलाकों में तथा ग्रामीण क्षेत्रों के साथ जंगल में गश्त की जा रही है।उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को जंगल में अकेले न जाने, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

हजरत सैयद सालार मसूद गाजी का 1023वां सालाना उर्स अकीदत के साथ संपन्न

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

बहराइच। बहराइच स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह हजरत सैयद सालार मसूद गाजी रहमतुल्लाह अलैह का 1023वां सालाना उर्स इस वर्ष भी पूरी शानो-शौकत, रूहानियत और आपसी भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। उर्स के मौके पर पूरे देश से लाखों की संख्या में अकीदतमंद बहराइच पहुंचे और दरगाह पर चादरपोशी कर अमन, शांति और खुशहाली की दुआ मांगी। उर्स के दौरान दरगाह परिसर में कुरआन-ख्वानी, फातिहा, सलातो-सलाम और विशेष दुआओं का सिलसिला लगातार जारी रहा। जायरीनों ने मजार-ए-मुबारक पर हाजिरी लगाकर अपने-अपने मन्नतें मांगी और पूरी होने पर शुक्राने के तौर पर नजराना पेश किया। उर्स के अवसर पर सूफियाना कलाम और कव्वालियों ने माहौल को पूरी तरह रूहानी बना दिया, जिससे अकीदतमंद भावविभोर नजर आए। प्रशासन और दरगाह प्रबंधन की ओर से उर्स को सकुशल संपन्न कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल, होमगार्ड और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी, वहीं साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा और यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें और एंबुलेंस सेवाएं तैनात रहीं। उर्स में विभिन्न राज्यों के अलावा नेपाल सहित अन्य देशों से आए जायरीनों ने भी शिरकत की। अकीदतमंदों का कहना था कि हजरत सैयद सालार मसूद गाजी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर आकर दिल को सुकून मिलता है और हर साल उर्स के मौके पर यहां का माहौल आपसी सौहार्द और इंसानियत का पैगाम देता है। उर्स के समापन पर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे की दुआ की गई। दरगाह प्रबंधन ने उर्स के शांतिपूर्ण और सफल आयोजन में सहयोग देने वाले प्रशासन, पुलिस और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप थ्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगति: इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरो: इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूत: डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्स: संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूज: इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। 'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है। 'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

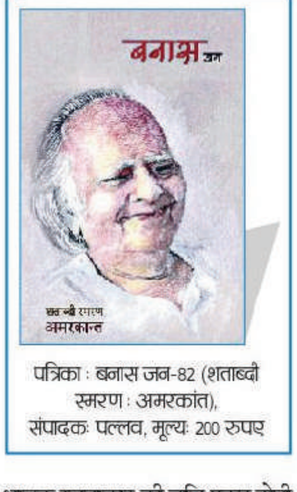

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत),
संपादक: पल्लव, मूल्य: 200 रुपए